प्रयागराज, रविवार 17 नवम्बर 2024 से शनिवार 23 नवम्बर 2024 तक
वर्ष-12 , अंक-46
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
T M
नगर संस्करण
12

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

11/11/2024

12/11/2024

13/11/2024

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

14/11/2024

15/11/2024

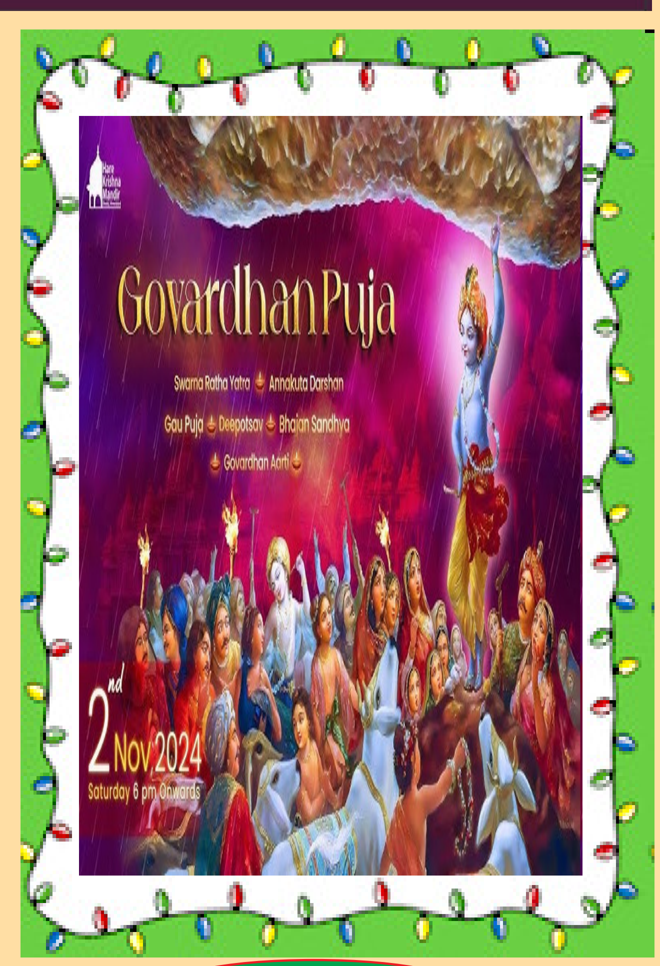

16/11/2024

17.pmd 1 11/16/2024, 5:54 PM

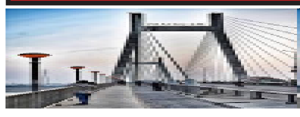

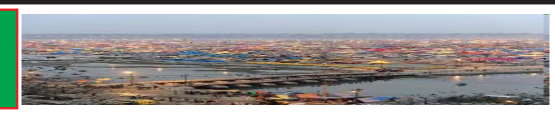

प्रसार निदेशालय शुआट्स, प्रयागराज शिवहर बिहार राज्य के चयनित 40 कृषकों आत्मा योजनान्तर्गत दो दिवसीय कृषक परिभ्रमण कार्यक्रम का समापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रसाद निदेशालय शुआट्स, प्रयागराज जनपद शिवहर बिहार राज्य के चयनित 40 कृषकों को आत्मा योजनान्तर्गत दो दिवसीय कृषक परिभ्रमण

कार्यक्रम का समापन दिनांक 13 11.2024 को प्रसाद निदेशालय में हुआ इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संयुक्त निदेशक प्रसार डॉक्टर ए के चौरसिया ने कृषको को श्रीअन्न उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि श्रीअन्न की फसलों में कम सिंचाई और बिना उर्वरक के प्रयोग के भी उत्पादित किया जा सकता है यह फैसले ऊर्जा प्रोटीन विटामिन एवं खनिज तत्वों के अच्छे स्रोत हैं तथा प्रोटीन में लाइसिन और थियोनिन को छोड़कर सभी प्रकार के आवश्यक अमीनो अम्ल होते है जिसके कारण श्रीअन्न अपनी पौष्टिकता एवं औषधिय गुणो के लिए जाने जाते हैं इनमें फाइटो रसायन एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की प्रचुरता होने के कारण पोषक अनाज भी कहा जाता है श्रीअन्न के उत्पादन में विभिन्न कृषर्ण क्रियाओं में दक्ष उन्नत कृषि यंत्रों के प्रयोग से तथा वैज्ञानिक प्रबंन्धन के द्वारा लागत में कमी तथा शुद्ध लाभ को बढ़ाया जा सकता है। समापन कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉक्टर प्रवीण चरण निदेशक प्रसार ने कहा कि श्रीअन्न की फसलों में कम सिंचाई और बिना उर्वरक के प्रयोग के भी उत्पादित किया जा सकता है यह फैसले ऊर्जा प्रोटीन विटामिन एवं खनिज तत्वों के अच्छे स्रोत हैं तथा प्रोटीन में लाइसिन और थियोनिन को छोड़कर सभी प्रकार के आवश्यक अमीनो अम्ल होते है जिसके कारण श्रीअन्न अपनी पौष्टिकता एवं औषधिय गुणो के लिए जाने जाते है इनमें फाइटो रसायन एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की प्रचुरता होने के कारण पोषक अनाज भी कहा जाता है श्रीअन्न के उत्पादन में विभिन्न कृषर्ण क्रियाओं में दक्ष उन्नत कृषि यंत्रों के प्रयोग से तथा वैज्ञानिक प्रबंन्धन के द्वारा लागत में कमी तथा शुद्ध लाभ को बढ़ाया जा सकता है। इस अवसर पर समन्वयक डॉक्टर अरुण यादव ने श्रीअन्न को खाद्य सुरक्षा के लिए एक स्थाई विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा कि भारतवर्ष में भौगोलिक दशाएं विभिन्न प्रकार की है जहां पर तापमान वर्षा मिट्टी के प्रकार फसल इत्यादि में काफी विभिन्नता पाई जाती है श्रीअन्न के अपरीष्कृत अनाज है जिसके सर्वाधिक पोषक तत्व वाला अनाज माना जाता है तथा यह ग्रामीण इलाकों में व्याप्त पोषण को समाप्त करने के लिए एक उत्तम खाद्य पदार्थ के रूप में प्रयोग किया जाता है लोगों के उत्तम स्वास्थ्य एवं बेहतर जीवन शैली के लिए रागी, सवॅवा, चीना, कोदों एवं कुटकी के बने खाद्य पदार्थो को भी अपने दैनिक भोजन में अवश्य शामिल करना चाहिए। वैज्ञानिक डॉक्टर विक्रम सिंह ने रागी, सवॅवा, चीना, कोदों एवं कुटकी के वैज्ञानिक उत्पादन विधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कुटकी एक छोटा कड़वा बाहर मासी बहू वर्षीय पौधा होता है तथा यह ढलानों में तथा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में नमी वाली रेत मिट्टी में विकसित किया जाता है मृदुल मिट्टी की परतें इसकी खेती के लिए सबसे उपयोगिता होती है जिसका जीवन चक्र 3 वर्ष का होता है तथा बीज के पकने के लिए एक वर्ष का समय लगता है यदि फसल प्रखंडों से तैयार किया जाता है तो तीसरे वर्ष में प्रति हेक्टेयर लगभग 1.1 टन सुखी जेड प्राप्त होती हैं। कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए आत्मा शिवहर के टीम लीडर श्री अनिल कुमार ने परिभ्रमण कर कार्यक्रम में प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि विगत दो दिवसीय में अल्फाविधि में कृषको को ने श्रीअन्न श्री उत्पादन एकीकृत नाशीजीव प्रबंन्धन एवं कटाई उपरांत प्रबंन्धन के विषय में अधीक से अधीक ज्ञान देकर कृषकों को लाभान्वितकिया प्रशिक्षण सम्यक डॉ मनीष कुमार केसरवानी ने समापन समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों एवं कृषकों का स्वागत किया तथा विगत दो दिनों में संपन्न हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का कृषिकों से फीडबैक प्राप्त किया तथा श्रीअन्न की उपयोगिता एवं उनसे तैयार होने वाले संस्कृति उत्पादों की तकनीकी जानकारी प्रदान की प्रसार निदेशालय में महिला उत्प्रेरक श्रीमती मीना नेथन ने कृषको सॉवा की खीर रागी लड्डू रागी मठरी गृह एवं व्यावसायिक स्तर पर तैयार करने का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया तथा दैनिक जीवन में इसके उपभोग के लिए किसी को एवं महिलाओं को उत्प्रेरित किया परिभ्रमण कार्यक्रम की द्वीतीय सत्र में डॉक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय की विभिन्न विभागों का भ्रमण कराया एवं शोध परियोजनओं मे कार्यरत वैज्ञानिकों से कृषकों का मार्गदर्शन कराया तथा समसामयिक कृषकों को सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण कराया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि एवं निर्देश प्रसार के कार्यक्रम में प्रतिभागी कृषिकों को प्रमाण पत्र का वितरण किया उन्होंने कृषकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभा करने के लिए बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की।

अखाड़ों में दो सौ से अधिक खालसे बढ़े, नए महामंडलेश्वरों-महंतों में इजाफा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भूमि कम होने से अखाड़ों के संतों में आक्रोश है। अखाड़ों की सबसे बड़ी चिंता ने खालसों, महंतों और महांडलेश्वरों को लेकर है। कहा का मिलान कराया जा रहा है। इसमें अनुभवी संतों की मदद ली जा रही है। ताकि, भूमि घटने की वजहों को जाना जा सके। अखाड़े के प्रतिनिधियों का कहना है कि आखिर

जा रहा है कि जब पहले से मिलने वाली भूमि -सुविधा में कमी की जा रही है, तब नए खालसों को कहां और कैसे बसाया जाएगा महाकुंभ में विश्व समुदाय के बीच सबसे बड़े आकर्षण के रूप में नजर आने वाले अखाड़ों के संत और नागा संन्यासी इस बार भूमि घटने से गुस्से में हैं। बृहस्पतिवार को अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने मेला प्रशासन की ओर से जारी किए गए नक्शे का वर्ष 2019 के आवंटन से मिलान कराने के बाद ही भूमि आवंटन कराने का निर्णय लिया। अखाड़ा परिषद का कहना है कि जब तक सभी 13 अखाड़ों को मिलने वाली भूमि-सुविधाओं में 25 प्रतिशत की वृद्धि की प्रशासन घोषणा नहीं करेगा, तबतक अखाड़े आवंटन के लिए नहीं जाएंगे भूमि कम होने से अखाड़ों के संतों में आक्रोश है। अखाड़ों की सबसे बड़ी चिंता ने खालसों, महंतों और महांडलेश्वरों को लेकर है। कहा जा रहा है कि जब पहले से मिलने वाली भूमि -सुविधा में कमी की जा रही है, तब नए खालसों को कहां और कैसे बसाया जाएगा। बृहस्पतिवार को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद् पुरी ने बताया कि वर्ष 2019 के मानचित्र से मौजूदा नक्शे उनकी भूमि चली कहां गई, इसकी पैमाइश और जांच कराई जानी चाहिए, ताकि असलियत सामने आ सके।कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों में जहां नए महंतों, महामंडलेश्वरों और खालसों की संख्या बढ़ गई है, वहीं भूमि कम हो जाने से बसावट को लेकर बड़ा संकट पैदा होने की आशंका है। जूना अखाड़े में ही तीन सौ से अधिक महामंडलेश्वर और महंतों का पट्टाभिषेक होने वाला है। इसी तरह सभी अखाड़ों में महंतों, महामंडलेश्वरों और खालसों की संख्या बढ़ गई है। ऐसे नए महामंडलेश्वरों और महंतों के आवेदन भी अखाड़ों में आ रहे हैं। ऐसे में भूमि सुविधाओं में वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। जब तक 25 प्रतिशत भूमि बढ़ाकर नहीं दी जाएगी, तब तक मेले में अखाड़ों के प्रतिनिधि भूमि आवंटन के लिए कदम नहीं रखेंगे।भूमि कम होने के बाद सभी अखाड़ों में नाराजगी है। सवाल है कि जब पिछले कुंभ की तुलना में इस बार मेले का विस्तार किया गया है। भूमि का रकबा भी बढ़ाया गया है, तब अखाड़ों की भूमि कैसे कम पड़ रही है। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुद नजर रखनी चाहिए।

सीएफओ प्रयागराज के आदेशानुसार जनपद में अग्निशमन सुरक्षा चेक करने हेतु टीम गठित

डॉ0 आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज के आदेशानुसार जनपद में अग्निशमन सुरक्षा चेक करने हेतु सभी अग्निशमन केंद्र को निर्देशित करते हुए 08 टीम बना दी गई है जो एक सप्ताह तक सभी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था चेक करेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। दिनांक 16/11/2024 को झांसी में मेडीकल कॉलेज में ही दुखद घटना को देखते हुए जनपद में अग्निशमन अधिकारी सिविल लाइन प्रयागराज द्वारा नगर क्षेत्र में संचालित हो रहे बाल चिकित्सालय,सरोजिनी नायडू बाल चिकित्सालय प्रयागराज, मां भगवती मदर एंड चाइल्ड केयर सेंटर म्योर रोड हेलीकॉप्टर चौराहा प्रयागराज का अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से निरीक्षण एवं स्थापित अग्निशमन व्यवस्थाओं का प्रशिक्षण दिया गया इसके साथ जनपद में 08 टीम बना दी गई है जो नगर क्षेत्र, नैनी,बारा, मेजा, कोराव,हड़िया, फुलपुर, सोरांव में बच्चों के अस्पतालों के साथ अन्य सभी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था चेक करेंगे।

कर्फ्यू न दंगा यूपी में सब चंगा, फिर दोहराया- बंटोगे तो कटोगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा के

लिए चुनाव सेवा का एक मिशन है जबकि सपा और बसपा के लिए चुनाव एक व्यवसाय है। चुनाव जीतने के बाद इन्हें अपने काले कारनामों को अंजाम देने, जनता का शोषण करने. दंगा और कर्फ्यू लगाने का सर्टिफिकेट मिल जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा के लिए चुनाव सेवा का एक मिशन है जबकि सपा और बसपा के लिए चुनाव एक व्यवसाय है। अपने काले कारनामों को अंजाम देने, जनता का शोषण करने, कर्फ्यू और दंगा करने, लूट-घसोट और भ्रष्टाचार का सर्टिफिकेट है इनके लिए। इसलिए चुनाव में इन लोगों की जमानत जब्त कराना जरूरी है। कहा कि जया पूजा पाल और जया पाल दोनों मंच पर मौजूद हैं। इनके साथ क्या हुआ है बताने की जरूरत नहीं है। योगी आदित्यनाथ शनिवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के लिए वोट मांगने पहुंचे थे। सीएम योगी ने कहा कि गुंडे, माफिया, अपराधी और अराजकतत्व सपा के गले की हार हैं। आपराधिक कृत्य से ही उनकी आजीविका चलती है। सुचिता पूर्ण परीक्षा सपा को राश नहीं आती है। कहा कि किसी भी युवा के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। आयोग और चयन बोर्ड इसके लिए कार्य कर रहा है।प्रयागराज की इस धरती पर भगवान बेणी माधव, गंगा, यमुना सरस्वती, भरद्वाज मुनि की विशेष कृपा है। समाजवादी पार्टी बांटने की राजनीति कर रही है। समाज को बांटने वाले देश के दुश्मन से कम नहीं हैं। अयोध्या में पांच सौ सालों का इंतजार बंटने के कारण ही झेलना पड़ा। इसी तरह काशी और मथुरा में भी बंटने के कारण अपमान झेलना पड़ा। बंटना नहीं है। बंटोगे तो कटोगे।

आधुनिक
गेस्ट हाउस
- वाटर प्रूफ शेड
- पार्किंग की सुविधा
- मन्दिर की सुविधा
- सी.सी.टीवी.
- छोटे-बड़े कार्यक्रमों के अलग-अलग रेट
- 45000 sq. feet. एरिया
- हरे-भरे वातावरण
- AC कमरा (VIP)

CALL: 9519313894,9415608783, 9415608710
आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज

खन्ता पिकनिक स्पाट को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने हेतु जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। खन्ता पिकनिक स्पाट को विकसित करने हेतु निर्माण कार्य शीघ्र किया जाये प्रारम्भ-जिलाधिकारी जिलाधिकारी ने म्योरपुर हवाई पट्टी

का निरीक्षण किये, हवाई पट्टी के निर्माण कार्य में होने वाले समस्याओं के सम्बन्ध ली जानकारी, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री जागृति अवस्थी ने खन्ता पिकनिक स्पाट को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने हेतु औचक निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने खन्ता पिकनिक स्पाट को विकसित करने हेतु नामित यू0पी0पी0सी0एल0 के कार्यदायी संस्था के प्रबन्धक को निर्देशित करते हुए कहा कि पिकनिक स्पाट को विकसित करने हेतु निर्माण कार्य को अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाये और निर्माण कार्य के त्वरित गति से पूर्ण किया जाये, इस दौरान जिलाधिकारी ने पर्यटन अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पिकनिक स्पाट को विकसित करने हेतु भूमि सम्बन्धित जो भी समस्याएं हों, उसका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाये, इस दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबन्धक से निर्माण कार्य की लागत व पिकनित स्पाट को विकसित करने हेतु बनाये गये स्टीमेट के सम्बन्ध में जानकारी ली, तो परियोजना प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि 498.12 लाख की लागत से पर्यटन स्थल को विकसित किया जायेगा, पर्यटन स्थल को विकसित करने हेतु एन0टी0पी0सी0 बीजपुर द्वारा धनराशि स्वीकृत की गयी है, जिसमें से प्रथम किश्त के रूप में 150 लाख रूपये प्राप्त हो गयी है, जिससे कि गेट का निर्माण, 10 नगर गजीबों का निर्माण, स्वालेट ब्लाक का निर्माण, पार्किंग का निर्माण, रेस्टूरेन्ट, बेंच इत्यादि के निर्माण कार्य किये जायेंगें। इस दौरान जिलाधिकारी ने म्योरपुर हवाई पट्टी का निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने म्योरपुर हवाई पट्टी के निर्माण कार्य में होने वाले समस्याओं के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव से जानकारी प्राप्त की, तो उनके द्वारा बताया गया कि एक काश्तकार की जमीन का प्रकरण मा0 उच्च न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण निर्माण कार्य बाधित है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इस मौके पर तहसीलदार दुद्धी ज्ञानेन्द्र यादव, पर्यटन अधिकारी श्री ब्रजेश कुमार, यू0पी0पी0सी0एल0 इकाई के परियोजना प्रबन्धक, अवर अभियन्ता यू0पी0पी0सी0एल0 उपस्थित रहें।

स्काउट गाइड कैंप का हुआ निरीक्षक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश द्वारा आदर्श इंटर कालेज रॉबर्ट्सगंज मे पंचदिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ

कार्यक्रम मे मुख्या अतिथि के रूप मे राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित रमाकांत कुशवाहा जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे जिला मुख्यायुक्त भारत स्काउट और गाइड सोनभद्र के डा प्रबोध कुमार सिंह , प्रधानाचार्य सुखपाल यादव अध्यक्ष के रूप मे संतोष कुमार सभी लोगो ने बच्चो द्वारा टेंट, पूल, गेजेट, रंगोली, स्किलोरमा, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि के साथ सेवा व बिनाबार्तन के भोजन बनाने का निरीक्षण किये साथ शिविर का संचालन कर रहें श्री शुभम कुमार सोनी अध्यक्ष जिला युवा समिति सोनभद्र , किरन सिंह ट्रेनिंग काउंसलर ,कन्हैया व विद्यालय के सभी शिक्षक गढ़ व प्रतिभागी मौजूद रहें।

प्रकाश उत्सव जयंती पर भजन कीर्तन करते हुए नगर में निकली शोभा यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा रावटसगंज में सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक देव जी का प्रकाश उत्सव जयंती समारोह बड़ी ही धूमधाम से

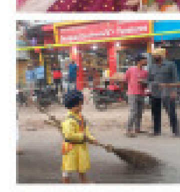

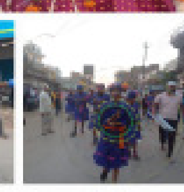

मनाया गया इस दौरान गुरुद्वारा साहब को फूल माला झालर बत्ती से सजाया गया इसी क्रम में कई दिनों तक प्रभात फेरी भी निकल गई नगर में अखंड पाठ की समाप्ति के बाद भाई- सुरजनत सिंह वह दया सिंह द्वारा भजन कीर्तन का गायन किया गया। इसके बाद जालंधर से आए रागी जाता भाई सतनाम सिंह व उनके साथियों द्वारा शबद कीर्तन कथा का गायन किया गया तत्पश्चात सरदार जसवीर सिंह ने गुरु नानक देव जी के बारे में बताया गुरु साहब का जन्म सन 1469 मैं तलवंडी नामक स्थान में हुआ था बाद में इनका नाम ननकाना साहब हो गया यह स्थान वर्तमान में पाकिस्तान में है इस समय समाज में नैतिकता गिर चुकी थी अंधविश्वास छुआछूत पूर्ण व्यवस्था उच्च नीच में समाज भरा हुआ था सब कर्म ने विदेशी आक्रमण कार्यों को आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया तथा उन्होंने भारत पर आक्रमण करके गुलाम बना लिया भारत की स्वतंत्रता समाप्त हो गई हम सदियों तक पराधीन रहे वह इसके कारण हमारी सोच मानसिकता स्थानी रूप से गुलाम हो गई हमारा आत्म विश्लेषण व स्वाभिमान जैसे गुण कहीं खो गया इसको दूर करने के लिए गुरु साहिब ने पंगत व संगत की प्रथा चलाई जिससे छुए छू दूर हो वह बराबरी का बोध हो समाज में नारी को सम्मान देने की बात की अपनी कमाई का दसवां हिस्सा समाज में भलाई का आकार करने के लिए खर्च करने को कहा श्री गुरु नानक देव जी ने अपनी बात ना उपदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगभग 14 वर्षों तक पैदल ही एशिया महाद्वीप की यात्राएं भी की गुरु जी ने अपने कार्यों को ईमानदारी से करने के लिए कहा तथा किसी का हक न करने की बात करी दुनिया में सभी जीव बराबर हैं उनका रचयिता एक है अतः कोई बुरा या भला कैसे हो सकता है अवल अल्लाह नूर उपाया कुदरत दे सब बंदे एक नूर ते सब जग उपजियां कौन भले कौन मंदे तत्पश्चात कार्यक्रम की समाप्ति हुई वह प्रसाद वितरण हुआ और हजारों लोगों ने लंगर में भोजन ग्रहण किया दिन में 4:00 से गुरु ग्रंथ साहब जी की शोभायात्रा प्रारंभ हुई गुरु नानक बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा पॉइंट वह अन्य खेल का प्रदर्शन किया मिर्जापुर से गतका पार्टी द्वारा अपने विभिन्न प्रकार के खेल कर्तव्य दिखाए गए मुगलसराय चंदौली चकिया अरोड़ा राजगढ़ चोपन ओबरा स्थान से भी संगत भाई तथा महिलाएं बच्चे पुरूष ढोल के साथ भजन कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया शोभा यात्रा रात्रि 8:00 बजे गुरुद्वारा साहब आकर समाप्त हुई रास्ते में स्थान स्थान पर शोभा यात्रा में शामिल लोगों ने चाय पानी नाश्ता वह प्रसाद का लुफ्त उठाया गुरुद्वारा साहब के वासी पर आतिशबाजी का भव्य प्रदर्शन भी किया गया। पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में अजीत सिंह दया सिंह देवेंद्र सिंह भंडारी परम ब्रह्म सिंह चरणजीत सिंह मनजीत सिंह बलकार अमन रणजीत सिंह रवि सोनू संतोष सिंह तजविंदर पाल सिंह केक जसपाल सिंह रजनीश जी गुरविंदर सिंह आदि लोग सहयोग दिया पूरे कार्यक्रम को कमलेश सिंह खंबे द्वारा संचालन मिल कर सरदार जसवीर सिंह ने किया।

ग्राम पंचायत का कूड़ा कचरा डाला जा रहा है (बिजरा) नदी में कूड़ा दान बना शो पीस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सोनभद्र नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत वैनी में प्रधान मंत्री के

स्वच्छता अभियान की उड़ाई जा रही है धज्जियां ग्राम पंचायत में कूड़ेदान होने के बावजूद कूड़ा कचरा नदी में फेंका जा रहा है जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जानकारी के अनुसार नगवां ब्लॉक के ग्राम पंचायत बैनी ग्राम प्रधान की बड़ी लापरवाही सामने आईं है ग्राम पंचायत का कूड़ा कचरा स्थानीय नदी (बीजरा) में कूड़ा ढोने वाले वाहन से नदी में गिराया जा रहा है जबकि हर ग्राम पंचायत में लाखों की लागत से बने कूड़ेदान का कोई उपयोग नही किया जा रहा है जबकि ग्राम पंचायत का सूखा गिला कचरा कूड़ेदान में वाहन द्वारा गिराया जाना है लेकिन ग्राम प्रधान की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है जहां प्रधानमंत्री द्वारा गांव शहर को स्वच्छ बनाने के लिए हर वर्ष पर्याप्त धन नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर धन मुहैया कराया जा रहा है लेकिन प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान को पलीता लगाने का कार्य ग्राम प्रधान और अधिकारी कर रहे हैं और स्वच्छता के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। ग्राम पंचायत का कचरा नदी में गिराने से नदी का पानी दूषित हो रहा है जल में निवास करने वाले जीव जंतुओं के जीवन के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है नदी के पानी से पशु पक्षी भी अपनी प्यास बुझाते है ऐसे में दूषित पानी पीने से बीमारियों के चपेट में आ जाते है। इस मामले को लेकर एडीओ पंचायत नगवां बृजेश कुमार से सेल फोन पर वार्ता किया गया तो उनका कहना था कि कोई भी कचरा चाहे वो सुखा हो या गिला किसी भी जल श्रोत में नहीं गिराना है प्लास्टिक अलग करके गड्ढे में डाल कर दबा देना है एडीओ पंचायत ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए संबंधित के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

सदर तहसीलदार पर अधिवक्ताओं ने लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर तहसील परिसर में शनिवार को दर्जनों अधिवक्ताओं ने सदर तहसीलदार के खिलाफ नारेबाजी विरोध प्रदर्शन करते हुए आयुक्त विंध्याचल को सौप पत्र जांच कर कर कार्रवाई करने की लगाई गुहार।विरोध प्रदर्शन की अगुवाई कर

रहे मनीष कुमार चतुर्वेदी, विनोद शुक्ला ने बताया वि सदर तहसील के तहसीलदार एवं उनके अधिनस्थ कार्यालय में व्याप्त अनियमितता व भ्रष्टाचार को लेकर कमिश्नर को पत्र दिया गया है वही श्री शुक्ल ने बताया कि तहसीलदार राबर्ट्सगंज, जिला-सोनभद्र के सह पर उनके अधिनस्थ कार्यालयों में घोर अनियमितता व भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिसके कारण न केवल आम जनमानस को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है अपितु आम जनमानस में सरकार व प्रशासन द्वारा उनके संवैधानिक व कानूनी ढाचे की घोर क्षति करने का संदेश जा रहा है। इस संबंध में हम प्रार्थीगण श्रीमान् जी का ध्यान निम्न विन्दुओं पर आकृष्ट कराना चाहते है-1- तहसीलदार के न्यायालय में वादो के निस्तारण में उभय पक्षो की बहस सुनने के बाद जब तक आदेश पारित नही किया जाता तब तक किसी पक्षकार द्वारा संबंधित अधिकारी अथवा पेशकार को मुह मांगा धन प्रदान नही कर दिया जाता। यही नही किसी-किसी मामले में उभय पक्षो से बोली लगवाकर सबसे अधिक धन देने वाले के पक्ष में आदेश पारित कर दिया जाता है। जिसकी बानगी कई फाइलों में जाँच कर देखी जा सकती है। दानपत्र अथवा बैनामा के आधार पर दाखिल खारिज के मामलों में तो तहसीलदार कार्यालय द्वारा सबरजिस्टार कार्यालय से प्राप्त अभिलेखो का मुकदमा दर्ज कर इश्तेहार तब तक जारी नहीं किया जाता जब तक संबंधित पक्षकार स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से कार्यालय में जाकर 500 से 1000 रुपये संबंधित बाबू को न दे दें, इसके बाद आदेश के नाम पर साधारण पत्रावली में भी 10000 से 20000 रुपये तक की मांग की जाती है कहने पर वी0आई0पी0 खर्च की दुहाई दी जाती है।भवन मानचित जो कि मास्टर प्लान द्वारा स्वीकृत किये जाने से पूर्व तहसील से अनापत्ति प्रमाण पत्र लिया जाता है। वह भी तब तक नहीं दिया जाता जब तक आवेदक तहसीलदार कार्यालय में आकर अवैधानिक धन नही दे देता तथा प्रकीर्ण पत्रावली में प्रति पत्रावली 2000 से 5000 रुपये तक व्यक्तिगत रुप से तहसीलदार सदर द्वारा लिया जाता है तब आख्या प्रेषित की जाती है।यह कि अविवादित पत्रावली में आदेश दर्ज करने में अनावश्यक विलम्ब तहसीलदार के कहने पर किया जाता है तथा जानबुझकर कुछ पत्रावली अपने न्यायालय में रखी जाती है जिसे ज्याद से ज्यादा वसूली की जा सके। मामले की शिकायत पर तहसीलदार द्वारा पेशकार पर पूरा टीकडा फोड़ते है तथा अनभिज्ञ बनते है।धारा 80 रा0सं0 के मामले में तहसीलदार महोदय प्रति फाइल 2000 रुपये जबरियों चार्ज लगाते है न देने पर पत्रावली खारिज करवाने की धमकी देते है तथा बिना सूचना के पत्रावली खारिज करवा देते है जिसमे पूर्ण रुप से तहसीलदार जिम्मेदार है।यह कि पैमाईश फाट संबंधित मामले की कोई मानिटरिंग तक नही करते है तथा बहुतायत मामले लम्बित है। वे उसी मामले में जाते है जिसमे 25000 रुपया कम से कम मिलता है।विवादित पत्रावलियों में तहसीलदार की मांग नाजायज है। तथा 50000 रुपये से 500000 रुपये तक की मांग करते है तथा पैसा प्राप्त होने पर भी आदेश करने में विलम्ब करते है, जो तमाम पक्षकारों का कहना है। सामने आने से डरते है, कहते है कि वे नजदीक गांव के जमींदार है. राईसमिल बनवा रहे है। हमे बड़ लोगो का सहयोग हो और मेरा कोई कुछ बिगाड़ नहीं सकता जब जक चाहूँगा तहसील में रहूँगा। मौके पर सोनभद्र बार एसोसिएशन के महामंत्री राजीव सिंह, ओमप्रकाश पाठक, विनोद शुक्ल, मनीष कुमार चतुर्वेदी,योगेश द्विवेदी,राजेंद्र पाठक, तापेश्वर मिश्र,पंकज सिंह,अखिलेश पाण्डेय, पंकज सिंह यादव मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ विराट रूद्र महायज्ञ 17 नवंबर से होगी शुरू

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।रामगढ़ कसारी स्थित

भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ 17 नवंबर से शुरू होगी। जिसका समापन 25 नवंबर को होगा। इसके अलावा प्रतिदिन भंडारा चलेगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 17 नवंबर को कलश यात्रा, कलश स्थापना व अग्नि प्रवेश के साथ ही विराट रूद्र महायज्ञ शुरू होगी। यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी, रेवती रमण तिवारी व योगेश तिवारी के जरिए विराट रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। प्रतिदिन जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जाएगी।श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन भंडारा भी चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट कसारी रामगढ़ व शिव शक्ति महिला मंडल के जरिए यह आयोजन किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से कार्यक्रम संयोजक शिव शक्ति महिला मंडल सुशीला पाठक, अध्यक्ष किरन मोदनवाल, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की जिला कोषाध्यक्ष चिंता मौर्या, कार्यक्रम अध्यक्ष सालिक राम साहु, कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, सविता देवी, संगीता देवी, रामा देवी, अनिता केशरी, प्रभा देवी,उर्मिला देवी, रेनु गुप्ता, कृष्णावती देवी, परमेश्वरी देवी, विमला देवी,शशि देवी, कालो देवी, हीरा सिंह, मनोज केशरी,पवन कुमार गुप्ता, दीनदयाल केशरी, विनय दास केशरी, अमरनाथ मौर्य,राजेंद्र बाबा,बलिराम दास, शेषनाथ मिश्रा का विशेष योगदान है। उन्होंने कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का आग्रह किया है।

एनम विहीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
ओबरा/ सोनभद्र । विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत कचनरवा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा महीनों से एनम

विहीन हो गया है जिससे आदिवासी क्षेत्रों में टीकाकरण से लेकर गर्भवती महिलाओं का प्रसव आदि प्रभावित है। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री काफी संवेदनशील हैं पर विभागीय उपेक्षा कहें या स्थानीय लोगों की कमी जिसके चलते स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रहा है । जिसका असर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जमीनी स्तर पर स्पस्ट दिखाई दे रहा है।इसी क्रम में बताते चलें कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा एनम विहीन विहीन होने के कारण इन आदिवासी क्षेत्र कचनरवा बागेसोती ,कुड़वा, बड़ाप् असनाबांध,किशनपुर वा, पीपरखाड़, केवाल , भालूकुदर, गीधिया आदि जगहों के लोगों को प्रसव या टीकाकरण कराने हेतु अन्यत्र जाना पड़ रहा है जो इन आदिवासी क्षेत्र के लोगों के लिए अभिशाप साबित हो रहा है।इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य छविंद्र नाथ चेरो व भाजपा मंडल कोन कार्य समिति सदस्य शिवनारायण सिंह उराँव व वरिस्ट समाजसेवी बिहारी प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से बताया कि यह सिलसिला कई महीनों से चलता आ रहा है जिससे बच्चों का टीकाकरण व महिलाओं को प्रसव का प्रसव कराने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा जरूरत से ज्यादा जेब ढीला करना पड़ रहा है। पत्रकार के एक सवाल के जबाब में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कचनरवा के चिकित्सक डॉक्टर एस .के .वर्मा ने बताया की सुनने में आया है की वह कहीं अन्यत्र चली गई है जिसकी जानकारी मेरे पास नहीं है और न ही मेरे पास किसी प्रकार की कोई लिखित सूचना दी गई है। उक्त के बावत् चोपन चिकत्सा अधीक्षक डॉक्टर फ़ैज़ अहमद ने बताया कि एनम संगीता से वार्ता की गई थी जिसके क्रम में उनके द्वारा कार्य न करने की असमर्थता जताई गई थी जिससे संबंधित मेरे द्वारा पत्र जारी करते हुए संबंधित विभाग को अवगत करा दिया गया है। जल्द ही कोई न कोई ब्यवस्था की जायेगी।फिलहाल एनम द्वारा स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। उपरोक्त के संबंध में में सूबे के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गौंड ने सीएमओ से वार्ता कर कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया।वहीँ इस संबंध में भाजपा बूथ अध्यक्ष कैलास राम भारती व जोखन प्रसाद यादव, जगदीश प्रसाद , प्रदीप कुमार, रघुवर , राजेंद्र आदि स्थानीय लोगों ने सूबे के मंत्री व संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तत्काल एनम की व्यवस्था व संबंधित एनम को निष्कासित कराना सुनिश्चित की जाए।

सपा की साइकिल हो गई है पंक्चर अब जमानत हो जाएगी जब्त मझवां में बोले केशव प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
मिर्जापुर । मिर्जापुर के शाहपुर चौसा में आयोजित जनचौपाल को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पार्टी प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य के लिए वोट की अपील की। कहा कि क्षेत्र के विकास

के लिए भाजपा ही अच्छी पार्टी है।प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वे सपा की साइकिल पंचर कराने नहीं बल्कि सपा की जमानत जब्त कराने आए हैं। कहा कि सपा का कोई भविष्य नहीं है। उनकी साइकिल पंचर होकर सैफई के गोदाम में है। इसलिए आप सब भाजपा का कमल खिलाएं। पार्टी की प्रत्याशी सुचिस्मिता मौर्य को मझवां सीट से विजयी बनाएं। वे शनिवार को मझवां विधानसभा क्षेत्र के शाहपुर चौसा में आयोजित जनचौपाल को संबोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा का आत्मविश्वासा डगमगा गया है। कहा कि क्षेत्र में विकास होना है तो उसके लिए लक्ष्मी चाहिए और लक्ष्मी क्या साइकिल पर आएंगी, नहीं लक्ष्मी जी कमल के फूल पर आएंगी। कहा कि वे इस क्षेत्र के विकास की गारंटी लेता हूं। सपा बसपा का न तो वर्तमान है और न ही भविष्य। सपा बसपा ने बारी- बारी से प्रदेश को लूटने का काम किया। गरीब की खुशहाली के लिए कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की अगुआई में विरोधी दलों ने एजेंडा सेट कर लिया था। उससे कुछ सीटें कम हो गई तो सपा गुब्बारे की तरह फूल गई। 20 नवंबर को इन गुब्बारों की हवा निकल जाएगी। ये लोग तो 2027 की बात करते हैं लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि इनका 2047 तक कोई संभावना नहीं है। सपा को वोट देना आ बैल मुझे मार करना होगा। ये जब भी आते हैं गरीबों को सताते हैं। लेकिन भाजपा की सरकार में गरीबों को सताने वालों को छोड़ेंगे नहीं। योगी सरकार में गुंडागर्दी व माफिया का खात्मा हो चुका है। सपा के सरकार में चार घंटे बिजली आती थी अब 18 घंटे आ रही है।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर अपना दल एस ने दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। अपना दल एस जनपद सोनभद्र छपका कार्यालय भगवान बिरसा मुंडा जयन्ती समारोह पर जिलाध्यक्ष अंजनी पटेल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य दिनेश बियार , विशिष्ट अतिथि गण राष्ट्रीय महासचिव

(व्यापार मंच) ज्यूत नारायण पटेल , कार्यवाहक प्रदेश पदाधिकारी प्रदेश उपाध्यक्ष (युवा मंच) आनंद पटेल दयालू , प्रदेश सचिव (युवा मंच) आलोक पाण्डेय, प्रदेश सचिव (छात्र मंच) रविन्द्र यादव, प्रदेश सचिव (अल्पसंख्यक मंच) जनाब महताब आलम रहे। मुख्य अतिथि बियार ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जन्मदिन, आदिवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन हैं. भगवान बिरसा मुंडा के पिता का नाम सुगना पूर्ति और माता का नाम करमी पूर्ति था. कम उम्र में ही बिरसा मुंडा की अंग्रेजों के खिलाफ जंग छिड़ गई थी, जिसे उन्होंने मरते दम तक कायम रखा था. बिरसा मुंडा और उनके समर्थकों ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिये थे. जल, जंगल, जमीन और स्वत्व की रक्षा के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया. आजादी के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले बिरसा ने उलगुलान क्रांति का आह्वान किया. भगवान बिरसा मुंडा की गौरव गाथा युगों - युगों तक प्रेरणा देती रहेगी. विशिष्ट अतिथि ज्यूत नारायण पटेल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी ने मातृभूमि की आन-बान और शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनकी जन्म-जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के पावन अवसर पर उन्हें मेरा कोटि-कोटि नमन। विशिष्ट अतिथि आनन्द दयालु ने कहा कि वह दूरदर्शी थे. उन्हें एहसास हुआ कि अंग्रेज जनता पर अत्याचार करने और धन को विदेश ले जाने के लिए इस भूमि पर आए हैं। उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी के रूप में गिना जाता है, जिन्होंने गैर-आदिवासियों द्वारा भूमि पर कब्ज़ा करने से रोकने के लिए आदिवासियों का नेतृत्व किया, जिससे वे अपनी ही भूमि में बंधुआ मजदूर बन गए अंजनी पटेल ने कहा कि चाहे अंगरेजों के खिलाफ संघर्ष की बात हो, आदिवासियों की जमीन लूटने या टैक्स लादने का मामला हो या जमींदारों-महाजनों द्वारा आदिवासियों पर अत्याचार करने का, बिरसा मुंडा ने बड़ी भूमिका अदा की और अंगरेजों-उनके दलालों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया. बिरसा मुंडा के उलगुलान (1895-1900) ने अंगरेजों को इतना भयभीत कर दिया कि एक रणनीति के तहत बिरसा मुंडा और उनके आंदोलन को खत्म कर दिया गया. 15 नवंबर,2024 को बिरसा मुंडा के जन्म का 150वां वर्ष आरंभ होगा. पूरा देश एक वर्ष तक इस राष्ट्रीय नायक की यादों को ताजा करेगा. एक दौर था, जब बिरसा मुंडा के संघर्ष को सिर्फ छोटानागपुर तक समेट कर रखा गया था।

संस्कृति की संकल्पना को साकार करने के लिए ईश्वरीय ज्ञान जरूरी:बी0के0 सुमन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। मानव और मानवता में अध्यात्म द्वारा संतुलन स्थापित करके आदि सनातन संस्कृति की संकल्पना को साकार करने के लिए ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग संस्कार परिवर्तन की सीढ़ी है।संस्कार से ही नए संसार का नवनिर्माण होता है। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र वास्तव में संस्कार केंद्र है। यहां प्रतिदिन ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है, जिससे जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उक्त बातें ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र प्रभारी बी.के. सुमन बहन ने कहा। दीप प्रज्वालित करते हु? डॉ ओमप्रकाश, राजेश कुमार उपजिलाधिकारी, डॉ अनुपमा, राहुल जिला प्रचारक आर.एस.एस , सोनभद्र, रविंद्र केशरी , विजय कनौडिया, अजित जायसवाल,सेवाकेंद्र इंचार्ज सुमन दीदी ,डॉ हरिन्द्र भाई , अवधेशधर दुबे।इस

अवसर पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी,राष्ट्रपति प्राप्त शिक्षक, ने कहा कि अध्यात्म से अपनी आत्म-ज्योति से प्रकाशित करने का ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र रॉबर्ट्सगंज के लिए एक ईश्वरीय उपहार है । मानवीय मूल्य हमारे जीवन की रक्षा करते हैं। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज के मुख्यालय भ्रमण का अनुभव सुनाते हुए कहा कि वहां की स्थापित व्यवस्था हमारी आदि सनातन परंपरा का आधुनिक युग में आदर्श उदाहरण है । डॉ अनुपमा सिंह,प्रख्यात महिला चिकित्सक रॉबर्ट्सगंज ने अपने संबोधन में कहा कि आध्यात्मिक शक्ति से आत्मबल का विकास होता है जिससे जीवन में मनोवांछित सफलता प्राप्त होती है।आध्यात्मिक ज्ञान से श्रेष्ठ कर्म करना सहज है।बी.के. सीता बहन ने सभी अतिथियों का मूल्ययुक्त शब्दो द्वारा स्वागत किया।कु. रिद्धि ने-झरनों से संगीत है बजता पत्थर के टकराने से गीत पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। राहुल ,जिला प्रचारक आर.एस.एस. सोनभद्र ने अपने संबोधन में कहां की हम सभी को अपने लक्ष्य को और अधिक सक्रियता पूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है । यह हमारे लिए चुनौती भी है और लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरणा भी है। बच्चों ने धर्मराज का दरबार नृत्यनाटिका प्रस्तुत करके कर्मों के जागरूक रहने का संदेश दिया। देव ने करमचंदसेठ , कु. दीप ,कु. हर्षित यमदूत, आयुष्मान और वैभव सेठ के पुत्रगण ,सेठ की पत्नी रिया, कु. रिद्धि ने ब्रह्मकुमारी के रूप में अभिनय करके सकारात्मक कर्म करने का संदेश दिया।बी. के. प्रतिभा बहन ने राजयोग के बारे में बताया कि मन और बुद्धि को परमात्मा में लगाना ही राजयोग है। इससे जन्मांतर के लिए श्रेष्ठ भाग्य की प्राप्ति होती है। राजेश कुमार सिंह उप जिलाधिकारी घोरावल ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि राजयोंग के द्वारा मैंने अपने क्रोध पर काफी हद तक नियंत्रण करने से प्रशासनिक कार्यों को करने में बहुत सहयोग प्राप्त हुआ।

देश/विदेश

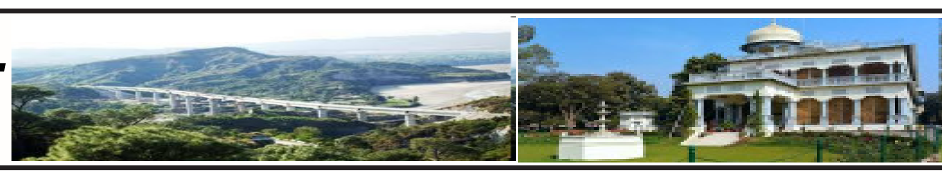

मेरा देश भारत

ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, दो हजार करोड़ से ज्यादा की धांधली का आरोप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सीबीआई ने ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में पांच राज्यों के 92 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान 24 मोबाइल फोन, 18 कंप्यूटर, सात हार्ड डिस्क और 11 लैपटॉप जब्त किए गए हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के असम के ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीबीआई ने घोटाले के मुख्य आरोपी गोपाल पॉल को सिलीगुड़ी से गिरफ्तार किया। ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले यानी कि एजेआरएस मार्केटिंग मामले में सीबीआई द्वारा 41 मामलों की जांच की जा रही है। इन मामलों की जांच पहले असम पुलिस द्वारा की जा रही थी, लेकिन बाद में असम पुलिस से इन मामलों को सीबीआई को सौंप दिया गया। सीबीआई ने बीते हफ्ते ही अपनी जांच शुरू की है।

गुजरात तट पर मादक पदार्थ निरोधक अभियान में 700 किलो ड्रग्स बरामद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। गुजरात तट पर मादक पदार्थ निरोधक अभियान में 700 किलो मादक पदार्थ बरामद किया गया

है। एनसीबी और एटीएस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान आठ ईरानी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया ह मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों की तरफ से संयुक्त अभियान के तहत शुक्रवार को गुजरात तट से दूर भारतीय जलक्षेत्र से करीब 700 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया गया और आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल, ड्रग सिंडिकेट के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पहचान करने के लिए जांच जारी है, जिसके लिए विदेशी डीएलईए की मदद ली जा रही है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक बयान जारी कर कहा कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर 'सागर मंथन-4' कोडनेम से अभियान चलाया गया। नौसेना ने अपनी समुद्री गश्ती संपत्तियों को सक्रिय करके एक जहाज की पहचान की और उसे रोका। यह ऑपरेशन भारत में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए असाधारण अंतर-एजेंसी समन्वय और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निरंतर खुफिया संग्रह और विश्लेषण के बाद एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ कि एक अपंजीकृत जहाज नारकोटिक ड्रग्स/साइकोट्रोपिक पदार्थों के साथ भारतीय जल में प्रवेश करेगा। इस खुफिया इनपुट पर ऑपरेशन शुरू किया गया।भारतीय जलक्षेत्र में करीब 700 किलोग्राम मेथमफेटामाइन की एक बड़ी खेप पकड़ी गई। एनसीबी ने कहा कि इस अभियान के दौरान आठ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जो खुद को ईरानी बताते हैं। यह ऑपरेशन एनसीबी, नौसेना और गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की तरफ से संयुक्त रूप से किया गया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह ऑपरेशन सरकार की प्रतिबद्धता और इसे प्राप्त करने में हमारी एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय का एक शानदार उदाहरण है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त भारत के सपने को आगे बढ़ाते हुए, हमारी एजेंसियों ने आज गुजरात में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया और लगभग 700 किलोग्राम से अधिक प्रतिबंधित मेथ जब्त किया।

बिरसा मुंडा जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, झारखंड के स्थापना दिवस पर दी बधाई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश नारायण सिंह ने जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर संसद में भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले आदिवासी नायक बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि दी। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनका बलिदानों से भरा जीवन राष्ट्र सेवा का एक अनूठा उदाहरण है। बता दें कि बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में हुआ था। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी विद्रोह का नेतृत्व किया था। महज 25 वर्ष की आयु में ही उनकी मौत हो गई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ठभगवान बिरसा मुंडा जी ने मातृभूमि की आन-बान और शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनकी जन्म-जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के पावन अवसर पर उन्हें मेरा कोटि-कोटि नमन।ठ एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, ठभगवान बिरसा मुंडा जी के 150वें जयंती वर्ष का कल से शुभारंभ होने जा रहा है। जनजातीय गौरव दिवस पर बिहार के जमुई में सुबह करीब 11 बजे उनके सम्मान में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करने के अलावा कई परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण का भी सौभाग्य मिलेगा। बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के बाद पीएम मोदी ने झारखंड के स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को बधाई भी दी। उन्होंने पोस्ट में कहा, ठझारखंड के अपने सभी भाई-बहनों को राज्य के स्थापना दिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं। जनजातीय समाज के संघर्ष और बलिदान से सिंचित इस धरती ने देश को हमेशा गौरवान्वित किया है। मेरी कामना है कि प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण यह प्रदेश प्रगति के पथ पर तेज रफ्तार से आगे बढ़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा के डिप्टी चेयरमैन हरिवंश नारायण सिंह ने जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर संसद में भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि देने के बाद उपराष्ट्रपति धनखड़ और लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने पारंपरिक ढोल पर हाथ आजमाते दिखे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ठभगवान बिरसा मुंडा एक छोटे से गांव में पैदा हुए थे। उनकी 150वीं जयंती को इस बार आदिवासी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा आजादी के महान नायकों में से एक थे। 1875 में माध्यमिक शिक्षा प्राप्त करते समय उन्होंने धर्म परिवर्तन के विरुद्ध आवाज उठाई। जब पूरे देश और विश्व के 2/3 भाग पर अंग्रेजों का शासन था, तब उन्होंने धर्म परिवर्तन के खिलाफ खड़े होने का साहस दिखाया था।

बॉलीवुड/टेली मसाला

देहरादून के भीषण सड़क हादसे पर पूजा भट्ट ने दी प्रतिक्रिया, शराब को ठहराया दोषी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट ने उत्तराखंड के देहरादून में हुई सड़क दुर्घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस भीषण दुर्घटना का दोषी उन्होंने शराब को ठहराया है।बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट ने उत्तराखंड के देहरादून में हुई भीषण कार दुर्घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इस दुर्घटना में छह कॉलेज छात्रों की मौत हुई है, जो एक पार्टी से लौट रहे थे। कथित तौर पर उन्होंने शराब भी पी रखी थी। इस घटना का दोषी पूजा शराब को मानती हैं। अभिनेत्री पूजा भट्ट ने एक्स जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था। पर लिखा, शराब एक अवसाद है। यह मस्तिष्क को धीमा कर देती है, हमारी प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करती है और अक्सर घातक सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनती है। यह एक ऐसा नशा है जो खुलेआम, कानूनी रूप से बेचा जाता है और जिसे न पीने पर आपको दोषी महसूस कराया जाता है। यह कितनी दुखद स्थिति है। छह लोगों की जान चली गई, जो अभी-अभी आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो इस दुर्घटना में छह छात्रों की जान गई है। कहा जा रहा है कि दुर्घटना से पहले वह अत्यधिक गति से गाड़ी चला रहे थे। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है, जिसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। अभिनेत्री ने जिस ट्वीट के जवाब में प्रतिक्रिया दी है उसमें दो वीडियो हैं, जिसमें दुर्घटना के पहले और बाद की वीडियो दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि इन छात्रों ने एक पार्टी में शराब पी रखी थी। इसी पोस्ट के जवाब में उन्होंने प्रतिक्रिया दी। इससे पहले भी पूजा भट्ट ने मेट्रो में गाना गाने को लेकर प्रतिक्रिया दी थी, जिसके चलते उन्हें सोशल मीडिया पर काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। वह अक्सर संवेदनशील मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देती हुई नजर आती हैं।

बेबी जॉन' की रिलीज से पहले वरुण धवन ने जारी किया नया वीडियो, फिर दिखाई अपने किरदार की दमदार झलक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'बेबी जॉन' से वरुण धवन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें अपने किरदार का खुलासा करते हुए देखा का खुलासा करते हुए देख सकते हैं। उन्होंने हाई ऑक्टेन एक्शन सीन किए हैं। वीडियो साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेरा जैसे बहुत आए होंगे, लेकिन मैं पहली बार आया हूं। एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने एक नया पोस्टर जारी किया और लिखा, 'बेबी, द लीजेंड अब शुरू होता है। प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद। बेबी जॉन एटली की 2016 की तमिल

गया। वरुण धवन 'सिटाडेल हनी बनी' की सफलता का लुत्फ उठा रहे हैं। अब वे अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन की तैयारी में जुटे हैं। यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर रिलीज हो रही है। अब रिलीज से पहले वरुण ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसे देखकर सभी प्रशंसक हैरान रह गए हैं। वे अभिनेता के इस अवतार की तारीफ कर रहे हैं वरुण ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें हम उन्हें अपने किरदार बेबी जॉन का दौर शुरू। इस वीडियो पर फैंस अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हाल ही में, निर्माताओं ने सिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 के साथ सिनेमाघरों में एक शानदार कट जारी किया। और प्रशंसक वरुण के पहले कभी न देखे गए अवतार को देखकर खुश हो रहे हैं। वे उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। और आज अभिनेता ने अपना आभार व्यक्त किया और सभी को धन्यवाद कहा। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर वरुण धवन ने फिल्म थेरी का रीमेक है। फिल्म में सलमान खान का कैमियो भी होगा। बेबी जॉन में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव जैसे प्रतिभाशाली कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन ए. कालीस्वरन ने किया है और इसे जियो स्टूडियोज, एटली ने ए फॉर एप्पल स्टूडियोज और सिने1 स्टूडियोज के साथ मिलकर बनाया है। यह फिल्म 25 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है।

राणा दग्गुबाती का ट्रेलर रिलीज, शो में बोले नागा चैतन्य, चाहते हैं हैप्पी मैरिड लाइफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। साउथ सितारे और बाहुबली के भल्लालदेव अपने चैट शो के साथ ओटीटी पर नजर आने वाले हैं। इस शो का ट्रेलर जारी हो चुका है। शो में पहुंचे नागा चैतन्य ने अपनी शादी को लेकर कुछ बातें की हैं। साउथ सिनेमा के सितारे राणा दग्गुबाती अपने टॉक शो 'द राणा दग्गुबाती शो' के साथ नजर आने वाले हैं। इस शो का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस शो को ओटीटी पर अमेजन प्राइम पर देखा जा सकता है। शो में साउथ के बड़े सितारे पहुंचे और अपने जीवन से जुड़ी कुछ बातें बताएंगे। इस शो में साउथ सिनेमा के बड़े सितारे पहुंचे। शो में राणा दग्गुबात ने पूछा कि नागा अपने जीवन में क्या चाहते हैं। नागा चैतन्य ने बताया कि वे अपने जीवन में एक हैप्पी मैरिड लाइफ और कुछ बच्चे चाहते हैं। इस पर राणा कहते हैं वैंकी अंकल की तरह, तो चैतन्य कहते हैं, नहीं...नहीं..और दोनों जोर से हंसने लगते हैं। राणा दग्गुबाती की पत्नी मिहिका बजाज भी इस शो में अपने निजी जीवन को लेकर बात करती नजर आती हैं। इस सो में राणा अपनी ही पत्नी से पूछते हैं कि आप शादी करके अच्छा महसूस कर रही हैं। इस पर उनकी पत्नी कहती हैं, हां बिल्कुल आपने मुझसे शादी की है। इस शो के ट्रेलर में राणा दग्गुबाती कई सितारों से बात करते हैं। शो में सुमा कनकला, नानी, प्रियंका मोहन, तेजा सज्जा, सिद्धु जोनालागड्डा, श्रीलीला, दुलकर सलमान, मीनाक्षी चौधरी, नागा चैतन्य, सुमंत यारलागड्डा, मिहिका दग्गुबाती, मालविका दग्गुबाती, प्रशांत पोटलुरी, एसएस राजामौली, राम गोपाल वर्मा, ऋषभ शेट्टी, नेहा शेट्टी, प्रगति शेट्टी जैसे बड़े सितारे नजर आने वाले हैं। राणा दग्गुबाती का शो इसी साल 23 नवंबर से शुरू होने वाला है। राणा दग्गुबाती द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो में आठ एपिसोड होंगे। शो में टॉलीवुड हस्तियों के जीवन की एक अनफिल्टर्ड झलक देखने को मिलेगी।

एनबीके 109 के शीर्षक का खुलासा, खलनायक बन नंदमुरी बालकृष्ण से दो दो हाथ करते दिखे बॉबी देओल-रवि किशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेता नंदामुरी बालवृ्ष्ण की अगली फिल्म एनबीके109 का नाम का खुलासा हो गया है। बॉबी कोल्ली द्वारा निर्देशित फिल्म में बॉबी देओल और रवि किशन मुख्य खलनायक हैं। अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एनबीके 109' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर आए दिन नई जानकारियां सामने आ रही हैं। वहीं, अब आखिरकार निर्माताओं ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म का टाइटल टीजर जारी कर दिया है। इसके साथ ही वीडियो में अभिनेता की दमदार झलक भी देखने को मिली। नंदमुरी बालकृष्ण की नई फिल्म 'एनबीके 109' के निर्माताओं ने आज शुक्रवार, 15 नवंबर को फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया। फिल्म के पहले लुक वीडियो में नंदमुरी बालकृष्ण को एक डाकू के अवतार में दिखाया गया है और इसलिए इसका शीर्षक डाकू महाराज रखा गया है। अगले साल संक्रांति पर बड़ी रिलीज के रूप में आने वाली यह फिल्म एक ऐसे राजा की कहानी है, जिसने बिना किसी राज्य के लड़ाई लड़ी।यह एक ऐसे व्यक्ति की भी कहानी है, जिसे मृत्यु को भी हिला देने वाले सम्राट के रूप में सम्मानित किया गया। फिल्म का निर्माण करने वाली आधिकारिक प्रोडक्शन कंपनी सीथारा एंटरटेनमेंट्स ने ट्विटर पर फर्स्ट लुक वीडियो साझा किया और नंदामुरी बालकृष्ण को डाकू महाराज के रूप में पेश किया।

वरुण तेज की बॉक्स ऑफिस पर एक और क्रैश लैंडिंग, बीच चौराहे फूट गया उम्मीदों का 'मटका'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। तेलुगु सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नागेंद्र बाबू के बेटे और चिरंजीवी व पवन कल्याण के भतीजे वरुण तेज का मामला बड़े परदे पर सेट नहीं हो पा रहा है। 'गांडीवधारी अर्जुन' के बाद से उनका जो निशाना भटका है तो इस साल पहले फिल्म 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' में उनकी उड़ान हिचकाले खाती रही और अब फिल्म 'मटका' में भी उनका मामला अटका अटका नजर आ रहा है। वरुण तेज पूरी कोशिश लगा रहे हैं कि किसी तरह वह भी नई पीढ़ी के सितारों यानी प्रभास और अल्लू अर्जुन की तरह पैन इंडिया स्टार बन जाएं लेकिन इसके लिए न तो वह कहानी सही तलाश रहे हैं और न ही सही सेटअप। नोरा फतेही को लेकर कोई फिल्म हिंदी में हिट हो जाएगी, ये सोच ही गड़बड़ है फिल्म की कहानी का विस्तार काफी है। मुंबई में रतनलाल खत्री ने जो धंधा कोई पचास साल पहले जमाकर खूब पैसा कमाया, वैसा ही कुछ वासु साउथ में करने निकलता है। इस धंधे तक आने से पहले वासु की कहानी में तमाम ट्विस्ट हैं। मां के साथ वह काम की तलाश में निकलता है। मंजिल उसकी जेल बनती है। वहां से निकलने के बाद वह फिर से काम धंधे की तलाश करता है लेकिन एक दिन एक लोकल नेता से हुई दोस्ती उसकी जिंदगी में तूफान ले आती है। एक तरह दोस्ती है और दूसरी तरफ डॉन से दुश्मनी। वासु पैसा खूब कमाता है। मटका भी चलाता है। पत्नी ये सब छोड़ने को भी कहती है, पर जिसकी जेब में पैसा हो, वो कहां किसी की सुनता है। ऐसा ही कुछ यहां भी है। फिर पुलिस है। अफसर हैं। मारामारी है। और, वही सब कुछ है तो आमतौर पर ऐसी मसाला फिल्मों में होता है। फिल्म 'मटका' की सबसे बड़ी दिक्कत वही है जिसकी वजह से वरुण तेज ने ये फिल्म की होगी, यानी कि इसकी कहानी। निर्देशक करुण कुमार ने वरुण तेज को जो भी सुनाया होगा, वह शानदार ही रहा होगा। ये भी हो सकता है कि प्राइम वीडियो की सीरीज 'मटका किंग' के बाद दोनों ने फटाफट ये फिल्म बनाने का प्लान बना डाला हो। लेकिन जो कुछ भी सोचा गया और जिस विचार पर भी यहां मेहनत हुई, वह परदे पर बहुत प्रभावी बन नहीं पाई है। फिल्म पूरी की पूरी वरुण तेज पर केंद्रित है लिहाजा दर्शकों का पूरा ध्यान यहां वरुण तेज पर बना भी रहता है। अभिनेता वरुण तेज ने इस फिल्म में कहानी के हिसाब से जो अपनी देहयष्टि बदली है, वह गौर करन लायक है। आंखों में सपने लिए एक नौजवान से लेकर एक प्रौढ़ और दबंग कारोबारी के रूप में वरुण तेज का ये काया परिवर्तन प्रभावी तो है लेकिन इसका प्रभाव इसकी कहानी, इसके संवाद और इसके दूसरे कलाकार कम करते जाते हैं। और, साथ ही वरुण तेज ने भी गिनती के जो हथकंडे इस किरदार के लिए सीखे हैं, वे सब बार बार दोहराए जाते भी दिखते हैं। अगर आपने हिंदी फिल्म 'रतन रंगीला' देखी है तो आप समझ जाएंगे कि ये पूरी की पूरी फिल्म बनी भले रतन लाल खत्री के जीवन पर हो लेकिन पूरी कहानी में मटका के कारोबार पर ज्यादा ध्यान ये फिल्म देती नहीं है, और यहीं फिल्म गच्चा खा जाती है। फिल्म 'मटका' जो लोग नोरा फतेही के लिए देखने जा रहे हैं, या गए होंगे, उन्हें निराशा ही हाथ लगनी है क्योंकि नोरा ने फिल्म में ऐसा कुछ नया नहीं किया है जो वह पहले बड़े परदे पर कर नहीं चुकी हैं। अब तक 16 आइटम डांस नंबर कर चुकीं नोरा के अभिनय और नृत्य में न अब कोई 'नॉवेल्टी' बची है और न ही उनके अभिनय में कोई सुधार होता दिख रहा है। वासु की पत्नी के किरदार में मीनाक्षी चौधरी को ज्यादा काम ही नहीं मिला है। हां, सीबीआई अफसर के रोल में नवीन चंद्रा जरूर प्रभावित करते हैं। तकनीकी रूप से फिल्म में प्रोडक्शन डिजाइन अच्छा है, ए किशोर कुमार की सिनेमैटोग्राफी भी प्रभावित करती है। पर, फिल्म का संपादन ढीला है और गीत-संगीत भी बहुत प्रभावी नहीं है।

शॉर्ट पहनने की बात पर भड़की नीना गुप्ता, बोलीं 'तुम्हारे बाप के पैसे ले के तो नहीं पहनती न'

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नीना गुप्ता ने अपने शॉट्र्स पहनने की बात पर भड़क गईं। करीना ने कहा कि बहुत लोग कहते हैं कि आप अभी भी शॉट्र्स पहनती हैं। उन्होंने कहा तुम्हारे बाप के पैसों से तो नहीं खरीदती न। अभिनेत्री नीना गुप्ता अपने बोल्ड अंदाज और तीखे जवाबों के लिए जानी जाती हैं। नीना गुप्ता ने अब एक और तीखा जवाब दिया है। उन्होंने अपने शॉर्ट पहनने की बात पर करीना कपूर को जवाब दिया।अभिनेत्री नीना गुप्ता ने करीना कपूर के साथ किए एक शो के प्रोमो में अपने शॉट्र्स पहनने की बात को लेकर चर्चा हुई। करीना कपूर ने सवाल किया, बहुत सारे लोगों ने कहा नीना गुप्ता इस उम्र में शॉट्र्स क्यों पहनती हैं। करीना की इस बात पर नीना गुप्ता ने जवाब दिया, तुम्हारे बाप के पैसे ले के तो नहीं पहनती न नीना गुप्ता ने कहा, एन्टोरेज संस्कृति पर अपने विचार भी साझा किए। उन्होंने कहा कि अगर निर्माता इसके लिए भुगतान करने को तैयार है तो ये ठीक है। बड़े स्टार का एन्टोरेज तो बड़ा होगा ही। जब निर्माता देता है तो ठीक है। जिन्हें नहीं पता उन्हें बता दें, एन्टोरेज संस्कृति एक ऐसी प्रथा है, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता और अभिनेत्रियां अपने साथ कई लोगों को साथ ले आते हैं। इस संस्कृति की कई लोगों ने आलोचना भी की है।

राशिफल

मेष-: स्वास्थ्य संबंधी समस्या निकट है, इसलिए नियमित व्यायाम को दिनचर्या में शामिल करें और विश्वास करें कि इलाज से पहले सावधानी बरतना बेहतर है।

वृष- सप्ताह आपके लिए मंगलमय रहेगा। आपके रचनात्मक कार्यों में नाम होगा और आपको प्रसिद्धि भी मिलेगी। आप अपने मन के अनुसार निर्णय लेंगे।

मिथुन-: भावनात्मक रहेगा. आप खुद को अपनी अंतरतम भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की स्थिति में भी पा सकते हैं। घरेलू काम थकाने वाले होंगे।

कर्क-: जीवनसाथी का प्यारा व्यवहार आपका दिन खुशनुमा बना सकता है. अपने ख़र्चों पर नियंत्रण रखें ˙ से ख़र्च करने से बचें। भावनात्मक रूप से जोखिम उठाना आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह-: आप जिस काम को पूरा करना चाहते हैं वह आसानी से पूरा हो जाएगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य के पूर्ण होने पर बधाई देने के लिए लोगों का आना-जाना रहेगा।

कन्या-: आप सभी परेशानियों और चिंताओं को पीछे छोड़कर अपने परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहेंगे आपका जाता हुआ दिखाई देगा जिसके बारे में आपने सोचा भी नहीं होगा।

तुला-: किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-: भाग्य आपका पूरा साथ देगा। जिन चीजों के लिए आप लंबे समय से प्रयास कर रहे थे, वो पूरी होने वाली हैं। जो प्रयास आपने अपनी ओर से व्यर्थ समझे थे।

धनु-: भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर रुझान बढ़ेगा. जीवनसाथी के साथ वैचारिक मतभेद रहेंगे। आत्मबल में वृद्धि होगी। पारिवारिक समस्याओं से विचलित हो सकता है।

मकर-: खुद पर हद से ज्यादा दबाव न डालें और पर्याप्त आराम करें. रियल एस्टेट से जुड़े निवेश आपको अच्छा मुनाफा देंगे। आपका अडियल रवैया घर में लोगों का दिल दुखा सकता है।

कुंभ-: आपका झुकाव अध्यात्म की ओर रहेगा, मंदिर जाने या कोई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना सकते हैं. आज आपको खुशी पाने के लिए अपने स्वभाव में थोड़ा लाने की जरूरत है।

मीन-: आपको कार्यक्षेत्र में सुख-समृद्धि की प्राप्ति होगी. परिवार और जीवन साथी का सहयोग मिलने की संभावना है। हालांकि छात्रों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़

लौट आया बॉक्स ऑफिस का बादशाह, सिनेमाघरों में देखिए शाहरुख की एक साथ इतनी सारी फिल्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की दीवानगी दर्शकों के सिर चढ़कर बोलती है। उनकी फिल्मों का दर्शक बेसब्री से इंतजार करते हैं। किंग खान की अगली फिल्म का तो नाम भी 'किंग' है, लेकिन इसे आने में अभी कुछ वक्त है। इससे पहले सिनेमाघरों में उनकी पुरानी सुपरहिट फिल्में रिलीज हुई हैं। शाहरुख की एक या दो नहीं, बल्कि कई सारी फिल्में री-रिलीज हुई हैं, जो दर्शकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं। आइए जानते हैं फिल्म करण अर्जुन अपनी रिलीज के तीन दशक बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में आ रही है। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में जारी किया गया। सलमान खान और शाहरुख खान इस फिल्म में साथ नजर आए। राकेश रोशन के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। अब इसकी दोबारा रिलीज को लेकर भी दर्शकों में खूब क्रेज है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म करीब छह करोड़ रुपये के बजट में बनी थी। इसने 25.75 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। वहीं, वर्ल्डवाइड 43.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। शाहरुख खान के फैंस को उनकी और महिमा चौधरी की रोमांटिक फिल्म 'परदेस' को फिर से सिनेमाघरों में देखने का मौका मिला है। यह फिल्म आज शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। सुभाष घई के निर्देशन में बनी इस फिल्म के गाने भी खूब हिट हुए। यह 90 के दशक की एक ऐतिहासिक फिल्म थी, जो वफादारी, देशभक्ति और पारिवारिक मूल्यों के विषयों पर आधारित थी। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक इसे आठ करोड़ रुपये बजट में बनाया गया। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसने 22.70 करोड़ रुपये कमाए, जबकि वर्ल्डवाइड कमाई 40.82 करोड़ रुपये की। शाहरुख खान, प्रीति जिंटा, जया बच्चन और सैफ अली खान जैसे सितारों से सजी फिल्म 'कल हो ना हो' आज शुक्रवार 15 नवंबर को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म सफल रही थी। करीब 28 करोड़ रूपये के बजट में बनी फिल्म ने 38.85 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। वर्ल्डवाइड कलेक्शन 82.05 करोड़ रुपये रहा। शाहरुख खान और प्रीति जिंटा अभिनीत फिल्म वीर जारा की रिलीज को इस साल 20 वर्ष पूरे हो गए। इस फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इस फिल्म के 20 साल पूरे होने पर इसे 7 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 600 स्क्रीन पर फिर से रिलीज किया गया। 12 नवंबर 2004 को रिलीज हुई फिल्म ने 42.40 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया था। इसे 22 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था। इसने वर्ल्डवाइड 97 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म सुपरहिट साबित हुई। इसके अलावा शाहरुख और काजोल अभिनीत रोमांटिक फिल्म 'दुलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) मुंबई के मूवी टॉकीज मराठा मंदिर में पिछले तीन दशक से चल रही है। हर दिन इस फिल्म को देखने आने वालों की संख्या भी कम नहीं होती। आदित्य चोपड़ा के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 1995 में रिलीज हुई थी।

सम्पादकीय

असल मुकाबला दो सियासी चाणक्यों, शरद पवार और अमित शाह के बीच

महाराष्ट्र का चुनाव हकीकत में दो सियासी चाणक्यों शरद पवार और अमित शाह के बीच परोक्ष मुकाबला है। जो भी जीतेगा, वह देश की भावी राजनीति की दिशा तय करेगा। महाराष्ट्र में भाजपानीत् महायुति और कांग्रेसनीत महाविकास आघाडी के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव जीतना राजनीतिक जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है। भाजपा ने शुरू में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महाराष्ट्र लाकर 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे का असर टेस्ट किया। लेकिन लगता है जल्द ही पार्टी को समझ आ गया कि इसका असर नकारात्मक भी हो सकता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी जगह 'एक हैं तो सेफ हैं' को ज्यादा तवज्जो देना शुरू कर दिया है। हालांकि कुछ लोग मोदी द्वारा इस नारे में संशोधन को योगी की बढ़ती लोकप्रियता पर लगाम लगाने की कोशिश के रूप में भी देख रहे हैं। लिहाजा सोमवार को महाराष्ट्र के मीडिया में दिए गए भाजपा के विज्ञापनों में भी 'बंटेंगे तो कटेंगे' की जगह यही नारा दिखाई पड़ा।दरअसल, इसका अर्थ यही है कि 'कटेंगे' के सकारात्मक प्रतिशत अगर घटा तो नुकसान सबसे ज्यादा महायुति को होगा। हालांकि भाजपा इस खतरे को लोकसभा चुनाव के बाद से समझ चुकी है। उसके वोट गिरें, इसकी पुरजोर कोशिश होगी।इस बीच राजनीतिक प्रेक्षक इस बात का गहराई से अध्ययन कर रहे हैं कि योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे का महाराष्ट्र में बहुसंख्यक हिंदू समुदाय के मानस पर कितना असर हो रहा है और इसकी राजनीतिक परिणति क्या होगी? क्या योगी का यह नारा राज्य में फिर से हिंदू समाज को महायुति के पक्ष में एकजुट कर पाएगा, खासकर वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के विरोध में मुस्लिम समाज में हो रही आक्रामकता एकता के संदर्भ में।वैसे योगी के जिस 'बंटेंगे तो कटेंगे' नारे को हिंदू एकजुटता के परिप्रेक्ष्य में रामबाण उपाय के रूप में देखा जा रहा था, वह महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव प्रचार के शबाब पर आते आते शंका के घेरे में जरूर आ गया है। जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इस नारे का खुलकर समर्थन किया था। लेकिन महाराष्ट्र में इस मुद्दे पर खुद महायुति और राष्ट्रीय स्तर एनडीए भी बंटता नजर आ रहा

राजनीतिक असर को लेकर भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। वैसे भी महाराष्ट्र का चुनाव हकीकत में दो सियासी चाणक्यों शरद पवार और अमित शाह के बीच परोक्ष मुकाबला है। जो भी जीतेगा, वह देश की भावी राजनीति की दिशा तय करेगा। हालांकि भाजपा का एक तबका मान कर चल रहा है कि 'बंटेंगे तो कटेंगे' का हिंदुओं पर धीरे-धीरे असर हो रहा है और गहरे मानस मंथन के साथ वो भाजपा के पक्ष गोलबंद हो रहे हैं। लेकिन किस हद तक, इस सवाल का जवाब मिलना बाकी है।हरियाणा विस चुनाव में यह नारा कुछ हद तक चला। लेकिन महाराष्ट्र की राजनीतिक तासीर अलग है। यहां तीन दशकों से कोई भी सियासी पार्टी अपने दम पर बहुमत नहीं पा सकी है। ऐसे में कोई भी दांव कब निशाने पर जा लगे या फिर उलटा पड़ जाए, कहना मुश्किल है। उधर राज्य में कांग्रेस और महाविकास आघाडी लगातार 'संविधान बचाने' , जातिगत जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा करने के साथ साथ स्थानीय मुद्दे जैसे सोयाबीन उत्पादक किसान को हुए नुकसान भी उठा रही है। मआवि का मानना है कि महायुति सरकार के खिलाफ आम जनता में नाराजी है और वो सत्ता परिवर्तन के पक्ष में वोट करेगी।उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी तो प्रतिशोध की भावना से चुनाव लड़ रही है। उनकी और अजित पवार की पार्टी के लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व का सवाल भी है। ऐसे में भाजपा को डर है कि हिंदू एकता के नारे पर कहीं लोकसभा की तरह 'दलित मुस्लिम' एकता भारी न पड़ जाए। इसके अलावा मराठा आरक्षण के लिए कई सालों से आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे का फैक्टर भी अहम है। जरांगे ने ऐन वक्त पर विस चुनाव न लड़ने का फैसला कर के महायुति को तगड़ा झटका दिया है। इसके पीछे सलाह किसकी होगी, यह समझा जा सकता है। इधर, भाजपा जरांगे के प्रभाव क्षेत्र मराठवाडा में मराठो के खिलाफ ओबीसी को लामबंद करने की कोशिश कर रही है। इसमें कितनी सफलता मिलती है, यह देखने की बात है। ऐसे में महिलाओं को सीधे आर्थिक लाभ पहुंचाने वाली 'लाडकी बहिण योजना और बूथ मैनेजमेंट पर ही भाजपा की जीत का काफी दारोमदार है। दूसरे, राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान पर पलटवार करते हुए केन्द्रीय मंत्री अमित शाह ने राहुल के हाथों में लाल किताब को 'कोरी किताब' कहा था। इसका दलितों में कैसा संदेश गया है, कहना मुश्किल है। हालांकि भाजपा और संघ के कुछ नेताओं का मानना है कि 'कटेंगे तो... और लाडकी बहिण' योजना का धमाका नतीजों में दिखेगा। लोगों को इसका अंदाज नहीं है। वैसे इस चुनाव में मतदाताओं का एक तबका ऐसा भी है, जो सभी पार्टियों के रवैए से निराश है। ऐसे में वोटिंग है।कांग्रेस तो पहले ही इसे नकारात्मक और साम्प्रदायिक सोच का नतीजा बता रही है, जबकि योगी और भाजपा इसे बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की मिसाल देकर सही ठहरा रहे हैं। इसमें यह चेतावनी भी छिपी है कि अगर जनसांख्यिकीय बदलाव यूं ही होते रहे तो भारत में भी बहुसंख्यक हिंदुओं की वैसी ही हालत होने में देर नहीं लगेगी। इसीलिए झारखंड और अब मुंबई में भी मुसलमानों की बढ़ती आबादी, उसकी वजह से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव तथा उसकी राजनीतिक परिणति को लेकर भी भाजपा नेता लगातार आगाह कर रहे हैं।इसमें शक नहीं कि योगी के 'कटेंगे तो बंटेगे' नारे ने विपक्षी खेमे में खलबली मचा दी है। इस नारे की गूंज कनाडा के ब्रैम्पटन में भी सुनाई दी, जहां खालिस्तानी सिखों ने हिंदू मंदिर पर हमला किया था। 'कटेंगे तो' नारे को खारिज करने के लिए अलग अलग प्रति नारे गढ़े जा रहे हैं।यूपी में नौ सीटों पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने इन नारे में निहित खतरे को भांपा और इसके जवाबी नारे गढ़ने की कोशिश की। शुरू में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि इस नारे को ध्यान में रखकर पीडीए समीकरण को एकजुट रहना चाहिए और उपचुनाव में भाजपा को सबक सिखाना चाहिए। लेकिन लगता है कि उससे बात नहीं और योगी के नारे के जवाब में ' जीतेंगे तो जुड़ेंगे' और जैसे नारे गढ़े गए।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर जवाबी हमला करते हुए कहा कि 'तुम ही कटोगे और तुम ही बंटोगे।' महाराष्ट्र में विपक्षी महाविकास आघाडी के घटक शिवसेना (उद्धव) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने चुनौती के स्वर में कहा कि हम महाराष्ट्र में किसी को न तो लूटने देंगे और न ही लुटने देंगे। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर सत्तासीन महायुति के घटक राकांपा नेता अजित पवार ने भाजपा से अलग लाइन लेते हुए इस नारे को यह कहकर खारिज किया कि महाराष्ट्र का स्वभाव इस तरह बांटने का नहीं है। इसी झारखंड में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नया नारा दिया 'डरोगे तो मरोगे' तो भीम आर्मी पार्टी के चंद्रशेखर रावण ने कहा कि 'पढ़ेंगे तो बढ़ेंगे। अगर योगी के नारे का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया जाए तो इसकी पहली पंक्ति 'बंटेंगे तो कटेंगे भले ही नकारात्मक लगे, लेकिन दूसरी पंक्ति 'एक रहेंगे तो नेक रहेंगे' पूरी तरह सकारात्मक है। योगी ने यह नारा किस सोच और गणित के साथ दिया या फिर यह उनके मुंह से निकली परिस्थितिजन्य सहज अभिव्यक्ति थी, कहना मुश्किल है। लेकिन अगर वो चाहते तो दूसरी पंक्ति को पहले स्थान पर और पहली पंक्ति को दूसरे स्थान पर रख सकते थे। इससे वो राजनीतिक खलबली नहीं मचती, जो उनके इस नारे से हुई है।

ऑनलाइन दीपदान का ऑफर कितना उचित

समय के साथ कुछेक मंदिर सेवाओं के ऑन लाइन होने में कोई बुराई नहीं है। दैनंदिनी पूजा,अभिषेक से लेकर उत्सव विशेष पर इसके माध्यम से भक्तों को श्रद्धा निवेदन का अवसर उपलब्ध कराया जा सकता है। मसलन प्रसाद, श्रृंगार, पुष्प इत्यादि अर्पण की सुविधा ऑन लाइन की जा सकती है। किंतु एक बार धर्म परंपराओं के जानकारों से राय लेकर ही ऐसा निर्णय किया जाना चाहिए। ताकि ये सुविधाओं के नाम पर सांस्कृतिक मूल्यबोधो पर कुठाराघात न हो। देश और दुनिया तेजी से बदल रही है। इस बदलाव का एक बड़ा उदाहरण ऑन लाइन सेवाओं का उपयोग भी है। इसका प्रचलन लोगों के नियमति जीवन में तीव्र गति से बढ़ा है। दैनिक उपयोगी वस्तुओं के खरीद बिक्री से लेकर चिकित्सा और शिक्षा क्षेत्र तक में इसका प्रभाव दिख रहा है। लोगबाग छोटे से लेकर बड़े भुगतान तक के लिए ऑन लाइन सेवाओं का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। किंतु हर चलन का अपना फायदा और नुकसान दोनों है। ऐसे में इस वक्त ऑन लाइन सेवाओं की सर्वाधिक चोट सनातन परंपराओं पर है। एक के बाद एक आघात का सिलसिला लगातार जारी है। हालिया मामला काशी के सुप्रसिद्ध उत्सव देव दीपावली से संबंधित है।दरअसल, देव दीपावली पर्व उन कुछेक प्रतीकों में से एक है जिससे इस नगरी की एक विशिष्ट पहचान बनती है। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व इस वर्ष 15 नवंबर को है। इस समय पूरी काशी नगरी सजी हुई होती है। उत्तर प्रदेश शासन के प्रयास के नाते यहां के गंगा घाट देखने योग्य होते है। किंतु इस अवसर पर काशी विश्वनाथ मंदिर समिति की ओर से एक विज्ञापन बेहद आपत्तिजनक है। इसके अनुसार लोगबाग घर बैठे ही दीपदान सुविधा का लाभ ले सकते है। प्रथम दृष्टि इसमें कुछ भी अनुचित नजर नहीं आता है। पर यदि दीपदान होता क्या है इसको विचारें तो यह निश्चित ही एक निंदनीय कृत्य है। यह दीपदान

महज प्रकाश के लिए जलाए जाने वाला कोई सामान्य दिया-बाती नहीं है। यह श्रद्धा भक्ति के साथ अपने पितरों की स्मृति में अर्पित किए जाने वाला एक पूरा धार्मिक विधान है।ठीक इसी प्रकार एक दीपक हर दीपावली उत्सव के पूर्व संध्या प्रत्येक हिंदू घर से निकाला जाता है। दीपोत्सव का यह प्रथम दीप मृत्यु देव यमराज के नाम होता है। इससे संबंधित समस्त आख्यान ऋग्वेद के दशम मंडल में उपलब्ध है। बात काशी के देव दीपावली की करें तो मान्यताओं के अनुसार यह भी दीपावली के समान एक विजय पर्व है। दीपावली रावण विजय उपरांत श्रीराम के राज्यारोहण से संबंधित उत्सव है। इसकी एक अन्य कथा समुद्र मंथन के पूर्ण होने से भी संबंधित है, तब अमूल्य रत्नों के संग अमृत कलश, आरोग्य देव धन्वंतरि एवं देवी लक्ष्मी का आगमन हुआ था। इन कारणों से दीपावली उत्सव एक विजय पर्व है।बात काशी के देव दीपावली की करें तो इसकी कथा अत्यंत रोचक है। इस पुरातन कथानुसार तब भगवान शिव ने त्रिपुरासुर दानव का वध कर सभी को उसके त्राण से मुक्ति दिलाई थी। यह बेला देवताओं के जागरण और उनके दिन की शुरुआत से भी संबद्ध है। इस समय भगवान विष्णु योग निद्रा से बाहर निकलते है। वही चार माह की लंबी अवधि उपरांत सभी देवता धरती के भ्रमण पर होते है। ऐसे में अंधकार की समाप्ति और दानवता के नाश पर प्रकाश उत्सव तो बनता ही है। इस अवसर पर समस्त देवता गण महादेव की नगरी में दीपावली उत्सव मनाने को जुटते हैं।इसी दौरान ये भी इस पुरातन नगरी में कार्तिक मास स्नान पूर्ण करते है। स्वयं सदाशिव महादेव के एक ऐसे स्नान का भी वर्णन आया है। तब यहां राजा दिवोदास का राज्य हुआ करता था। ऐसी सभी कथाये पुराणों में वर्णित है। देव दीपावली के दीपदान वाले दीपकों को जला कर जल मे प्रवाहित किया जाता है। ये पूरी श्रद्धा और संकल्प के साथ किया जाने वाला विधान है। इस दौरान हर श्रद्धालु काशी के किसी गंगा घाट पर मौजूद होता है। कार्तिक पूर्णिमा स्नान और चातुर्मास पर्व के समापन के नाते भी लोगों का तब हुजूम उमड़ पड़ता है।यहां हर कोई दीपोत्सव में सहभागिता एवं दीपदान का आकांक्षी होता है। यह पूरी प्रक्रिया खुद से पूरी की जाने वाली एक पुरातन परंपरा है। ऐसे में महज मंदिर के आय में बढ़ोतरी हेतु इस प्रकार का दुष्प्रयास कतई उचित नहीं है। यह धार्मिक मान्यता, रीति रिवाज और लोगों के रोजगार संबंधित अवसरों पर चोट है। इसके न केवल सांस्कृतिक पर्यटन और विरासत को नुकसान पहुंचता है अपितु परंपरा भी चोटिल होती है। यह अंततः उत्सव तीर्थ मंदिर सभी के पहचान को धूमिल करता है।किंतु ना तो ये पहली और ना ही एकलौती घटना है। इससे पहले पितृपक्ष को लेकर बिहार सरकार का ऐसा ही एक दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय आया है। इसके अनुसार गया में ऑन लाइन पिंडदान सुविधा प्रारंभ की गई है। ज्ञात हो कि गया की प्रसिद्धि उसके पितृविधान संबंधित विशेषताओं के नाते है। यही नहीं देश के हर प्रसिद्ध देवालय में दर्शन पूजन और अनुष्ठानों संबंधित सेवाओं के नाम पर ऑन लाइन वाला कारोबार जारी है। इसे देखते हुए बाकी के मंदिर भी इसी राह पर बढ़ रहे हैं। अब तीर्थ विशेष के अधिकांश उत्सव और सुप्रसिद्ध मंदिरों के हर पर्व निशाने पर हैं। यह सीधे सीधे श्रद्धा और जनभावनाओं पर आघात है।वैसे इसका एक और पक्ष भी है। इसको लेकर सरकारें और मंदिर प्रबंधन समितियां अक्सर इसे जन आकांक्षा वाली जनसुविधा बताती है। भीड़-भाड़ पर नियंत्रण और श्रद्धालु विशेष के पास समयाभाव के होने को इसके कारण के तौर पर प्रचारित किया जाता है। जब कभी इसपर प्रश्न उठता है तो इसे लोगों की मांग पर लिया गया निर्णय बता दिया जाता है। आखिर ये मांग करने वाले लोग कौन हैं? क्या कहीं के स्थानीय कारोबारी और पूजा पाठ संबंधित व्यवसाय से जुड़े व्यापारियों ने ऐसी कोई मांग उठाई है? अथवा तीर्थ पुरोहित एवं स्थानीय पुजारियों के द्वारा ऐसी कोई अभिलाषा प्रगट की गई है।बाकी रहा आम श्रद्धालुओं का सवाल तो भला वो क्यों ऐसी किसी मांग का हिस्सा बनेंगे। यहां तो लोग आवागमन संबंधित सुविधाओं के घोर अभाव के बावजूद पीढ़ियों से तीर्थ यात्रा करते रहे हैं, क्योंकि इन तीर्थों की यात्रा का महत्व उनके वैदिक वांग्मय से लेकर रामायण एवं पुराण गाथाओं तक भरा पड़ा है।बाकी दुनिया लाख तरक्की कर जाए इसके बावजूद भी कुछ चीजें केवल प्रत्यक्ष ही संभव है। ठीक इसी प्रकार सनातन हिंदू धर्म के कुछेक विधान सशरीर सहभागी होकर ही पूरा किया जा सकता है। यहां किसी भी पूजा एवं यज्ञ के लिए कुछेक चीजें अनिवार्य हैं। इनमें स्नान, पवित्रीकरण, आचमन, शिखा-दिशा इत्यादि का बंधन और आसन वस्त्र सब की शुद्धि का अतिशय महत्व है। ये अनिवार्य विधान है इसके बिना शुद्ध अंतःकरण से किया गया अनुष्ठान भी अपूर्ण ही रहता है।हां, समय के साथ कुछेक मंदिर सेवाओं के ऑन लाइन होने में कोई बुराई नहीं है। दैनंदिनी पूजा,अभिषेक से लेकर उत्सव विशेष पर इसके माध्यम से भक्तों को श्रद्धा निवेदन का अवसर उपलब्ध कराया जा सकता है। मसलन प्रसाद, श्रृंगार, पुष्प इत्यादि अर्पण की सुविधा ऑन लाइन की जा सकती है। किंतु एक बार धर्म परंपराओं के जानकारों से राय लेकर ही ऐसा निर्णय किया जाना चाहिए। ताकि ये सुविधाओं के नाम पर सांस्कृतिक मूल्यबोधो पर कुठाराघात न हो। वैसे मंदिर द्वारा संचालित विभिन्न धार्मिक सांस्कृतिक गतिविधि और सेवा प्रकल्पों के संचालन हेतु यह एक बेहतर व्यवस्था है। इसको लेकर किसी को आपत्ति भी नहीं होगी। यह मंदिर द्वारा समाज उपयोगी कार्यों संग सनातन धर्म प्रचार का एक पावन कर्तव्य होगा। किंतु मंदिर एवं तीर्थो के हर सेवा का ऑन लाइन होना देख कर लगता है की यदि इनका बस चले तो ये कुंभ मेला के स्नान को भी ऑन लाइन कर दे।

डिजिटल कॉमर्स के दम पर आए बदलाव से एमएसएमई को मिला सबसे ज्यादा फायदा

दो दशक पहले डिजिटल कॉमर्स का पदार्पण हुआ और एमएसएमई के संचालन का तरीका हमेशा के लिए बदल गया। अब नतीजा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है - रेडसियर की तरफ से एमएसएमई को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 6.4 करोड़ एमएसएमई संचालन में है और इनमें से 12 प्रतिशत यानी करीब 77 लाख एमएसएमई डिजिटल रूप से सशक्त हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। आइए जानते हैं इस विषय पर फ्लिपकार्ट ग्रुप के रजनीश कुमार की राय। चाहे अर्थव्यवस्था बड़ी हो या छोटी, हर अर्थव्यवस्था में कुछ कंपनियां ऐसी होती हैं, जो हमेशा चर्चा में रहती हैं। हालांकि चकाचौंध से दूर किसी भी देश के कारोबार का झंडा बुलंद करने वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) ही होते हैं। पारंपरिक तौर पर पहले एमएसएमई की बाजार, टेक्नोलॉजी और फंड तक पहुंच सीमित हुआ करती थी। टेक्नोलॉजी या तो उनके काम की नहीं होती थी या फिर उस तक पहुंच मुश्किल होती थी। दूसरी ओर, फंड बहुत महंगे होते थे। नतीजतन ये उद्यम आकार में छोटे ही रह जाते थे और कभी अपनी स्थानीय सीमा से बाहर नहीं बढ़ पाते थे। दो दशक पहले डिजिटल कॉमर्स का पदार्पण हुआ और एमएसएमई के संचालन का तरीका हमेशा के लिए बदल गया। अब नतीजा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है - रेडसियर की तरफ से एमएसएमई को लेकर जारी हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 6.4 करोड़ एमएसएमई संचालन में है और इनमें से 12 प्रतिशत यानी करीब 77 लाख एमएसएमई डिजिटल रूप से सशक्त हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है।ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी को लोकतांत्रिक बनाने में अहम साबित हुए हैं। एक ओर जहां टेक्नोलॉजी की लागत कम हो रही है, वहीं यह लगातार बदल और बढ़ रही है। ऐसे में नई टेक्नोलॉजी को खरीदना हमेशा बहुत आसान नहीं होता है। इसी कमी को ईकॉमर्स पूरा कर देता है। यहां एमएसएमई को टेक्नोलॉजी तक पहुंच मिलती है, जिसे वे अपनी जरूरत के अनुरूप प्रयोग करने में सक्षम होते हैं। इसलिए उन्हें लगातार टेक्नोलॉजी में निवेश करने की जरूरत नहीं रह जाती। लॉजिस्टिक्स की महंगी व्यवस्था को संभालने की जिम्मेदारी भी ईकॉमर्स कंपनियां उठाती हैं, जिससे ज्यादातर एमएसएमई को बस अपने मुख्य परिचालन पर ध्यान देना होता है और उनका कारोबार बढ़ता है। ईकॉमर्स कंपनियों की तरफ से मिलने वाली डिजिटल टेक्नोलॉजी की मदद से एमएसएमई के लिए कारोबार का विस्तार करने के साथ-साथ इन्वेंटरी मैनेजमेंट से लेकर अकाउंटिंग एवं बिलिंग तक के रोजाना के काम करना भी संभव होता है। बड़े फुटप्रिंट, टेक्नोलॉजी और लॉजिस्टिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच से एमएसएमई अब ज्यादा लोगों तक अपने उत्पाद पहुंचाने में सक्षम हुए हैं। ज्यादा बड़े बाजार तक पहुंचने की इस क्षमता से उनका राजस्व और लाभ बढ़ा है।ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी के आने से परिचालन की दक्षता उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। बहुत से ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म ऑनबोर्डिंग की व्यापक प्रक्रिया और यूजर फ्रेंडली इंटरफेस प्रदान करते हैं। इन पर ऑनबोर्ड होने की प्रक्रिया बहुत आसान है, जिससे इंटरनेट बिजनेस की दुनिया में पूरी तरह से नए लोग भी आसानी से इसमें आगे बढ़ पाते हैं। डिजिटल मार्केटप्लेस के इंटीग्रेशन से एमएसएमई को उपभोक्ताओं के व्यवहार से जुड़े महत्वपूर्ण विश्लेषण तक पहुंचने में मदद मिलती है, जिससे उनके लिए बाजार ट्रेंड और मांग के पैटर्न को समझना संभव होता है। ये डाटा इनसाइट्स जानकारी से भरपूर फैसले लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे एमएसएमई के लिए प्रभावी तरीके से उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों एवं सेवाओं में बदलाव कर पाना संभव होता है। इससे बर्बादी भी कम होती है और प्रभावी क्रियान्वयन एवं टेक्नोलॉजी का प्रयोग भी सुनिश्चित होता है। ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म्स इन उद्यमों को ऐसे इन्फ्रास्ट्रक्चर व संसाधनों तक पहुंच भी प्रदान करते हैं, जिससे लागत को न्यूनतम करने और कारोबार के विकास पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है। वेयरहाउसिंग सॉल्यूशन से लेकर मार्केटिंग सपोर्ट एवं डिलीवरी तक ये प्लेटफॉर्म व्यापक सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे एमएसएमई को महंगे इन्फ्रास्ट्रक्चर के रखरखाव की जरूरत नहीं पड़ती है। इससे उद्यम अपनी लागत कम कर पाते हैं। वर्किंग कैपिटल की जरूरत कम होने से ये उद्यम बाजार के ट्रेंड को अपनाने और बेहतर तरीके से परिचालन पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम हो पाते हैं। ब्रांड की विजिबिलिटी बेहतर होना भी एक बड़ा फायदा है, जो डिजिटल मार्केटप्लेस इंटीग्रेशन से मिलता है। ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म्स कंपनियों को रणनीतिक रूप से अपने ब्रांड्स को स्थापित करने, टार्गेटेड मार्केटिंग कैंपेन चलाने और ग्राहकों से सकारात्मक फीडबैक पाने में भी सक्षम बनाते हैं। अब कोई कहीं से भी मात्र एक क्लिक पर उनके प्रोडक्ट्स एवं सर्विसेज के लिए ऑर्डर कर सकता है। ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की मदद के बिना इस स्तर के परिचालन तक पहुंचने में उन्हें कई दशक का समय लग जाता। ईकॉमर्स कंपनियों ने बैंकों, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और कई अन्य कंपनियों के साथ गठजोड़ किया है, जिससे एमएसएमई के लिए क्रेडिट तक पहुंच आसान हुई है। कम डॉक्यूमेंटेशन की मदद से कंपनियां कम लागत पर फंड पाने और अपने उद्यम को गति देने में सक्षम हुई हैं। अब तक फंड नहीं मिल पाना उनके लिए बड़ी समस्या थी, क्योंकि बैंक आमतौर पर एमएसएमई को लोन देने में कतराते थे। ईकॉमर्स के समर्थन से अब एमएसएमई जल्दी और कम लागत में फंड पाने के लिए औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था तक पहुंच बनाने में सक्षम हुए हैं। अभी दूरदराज के क्षेत्रों में ईकॉमर्स ने पूरी तरह से पैर भले नहीं पसारे हैं, लेकिन वहां इनके असर को महसूस किया जा सकता है। ईकॉमर्स से दूरदराज के क्षेत्रों में जो नौकरियां पैदा हुई हैं, उनका परिवर्तनकारी प्रभाव डिजिटल इकोसिस्टम में स्थानीय लोगों के दृढ़ संकल्प और विश्वास की कहानी है। ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म ने पारंपरिक शिल्प एवं उद्योगों को नया जीवन देकर और उनके लिए अवसरों की दुनिया खोलकर उन्हें पुनर्जीवित किया है। यह सामाजिक परिवर्तन सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने में मदद करता है।

आर्य ही थे सरस्वती सिंधु सभ्यता के जनक

ऋग्वेद और पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि आर्य ही सरस्वती-सिंधु सभ्यता के मूल निवासी थे। देखा जाए तो आर्यों का मध्य एशिया से आगमन का सिद्धांत पुरातात्विक साक्ष्यों से मेल नहीं खाता। सरस्वती सिंधु नदी के किनारों पर पल्लवित हुई भारत की प्राचीनतम् सभ्यता का आर्यों से क्या संबंध था? यह एक ऐसा प्रश्न है जो 100 वर्षों से भारतीय इतिहास में सर्वाधिक चर्चित रहा है त् मूल रूप से तो इस प्रश्न का उत्तर पुरातात्विक उत्खननों व उसके अध्ययन में निहित है त् विगत् तीन

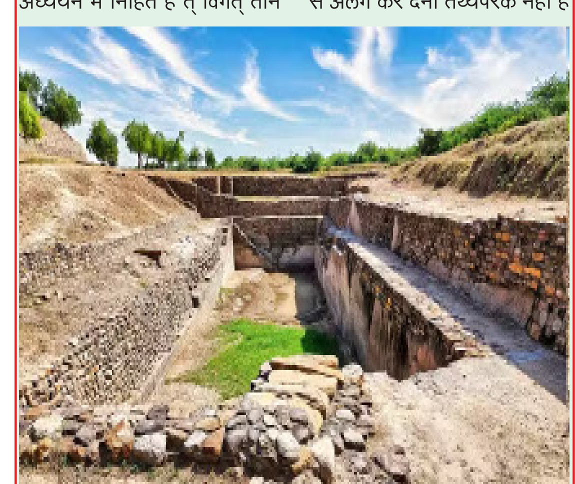

दशकों में हुई नवीन खोजों ने इस प्रश्न के उत्तर का मार्ग प्रशस्त करा है त् मानव सभ्यता का प्राचीनतम ग्रंथ जो ऋग्वेद के नाम से प्रसिद्द है, आर्यों का ही ग्रंथ है त् ऋग्वेद के अध्ययन से यह स्पष्ट हो जाता है कि आर्यों की बसाहट वर्तमान समय में लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी व सिंधु नदी के किनारों पर ही अवस्थित थी त् कई इतिहासकारों का ऐसा मत है कि आर्यों का समाज पूर्ण रूपेण ग्रामीण समाज था त् परन्तु यह तथ्य उल्लेखनीय है की ऋग्वेद में ग्राम शब्द से कई अधिक बार नगर शब्द का उल्लेख है ऋग्वेद के ही छठे मंडल के 46 वें सूक्त में एक ऐसे घर की कामना की गई है जो ईंटों का बना हो त् इस प्रकार के घर तो उस काल में केवल सरस्वती व सिंधु नदी के किनारों पर ही अवस्थित थे त् आर्य कोई ग्रामीण संस्कृति के वाहक नहीं थे त् उनकी सभ्यता में तो नगर व ग्राम दोनों का ही अस्तित्व था हम सब जानते हैं कि यज्ञ पूजा आर्यों के धर्म का एक प्रमुख अंग था त् यहां यह बात उल्लेखनीय है कि इसी सभ्यता के सबसे बड़े पुरास्थल राखीगढ़ी (हरियाणा) से 20वीं शताब्दी के अंतिम दशक में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को कई यज्ञवेदियां उत्खनन में प्राप्त हुई थीं त् इन यज्ञवेदियों की तिथि वर्तमान समय से 4500 वर्ष पूर्व की है त् यह अवशेष इस बात को कहते हैं कि राखीगढ़ी व इस विशाल सभ्यता में निवासरत लोग वैदिक परम्परा के अनुयायी थे जिसका संबंध आर्यों से है यह तो सर्वविदित है की आर्यों ने द्रुतगामी वाहन के तौर पर अश्व का उपयोग किया था त् सरस्वती सिंधु सभ्यता के कई पुरास्थलों से हमें अश्व की हड्डियां व मृण्मूर्तियां प्राप्त हुई हैं त् भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की उत्खनन विवर्णिकाओं के अनुसार सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, राणाघुंडई, शिकारपुर, राखीगढ़ी, कुणाल आदि पुरास्थलों से अश्व के साक्ष्य विभिन्न स्वरूपों में प्राप्त हुए हैं त् अतः यह कहना की सरस्वती सिंधु सभ्यता में अश्व विद्यमान नहीं था तथा इस आधार पर उस सभ्यता को आर्यों से अलग कर देना तथ्यपरक नहीं है त् इस सभ्यता में अश्व उपलब्ध था तथा इसके पर्याप्त पुरातात्विक प्रमाण हमारे पास उपलब्ध हैं राखीगढ़ी से प्राप्त योनि आकार की यज्ञ वेदी कुछ इतिहासकारों का यह मत था की सरस्वती सिंधु सभ्यता के पतन के पश्चात आर्य मध्य एशिया से भारत में आए थे पूर्ण रूपेण पूर्वाग्रह से ग्रसित है अमेरिका के दो प्रसिद्द मानव वैज्ञानिकों ने अपने शोध के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है कि भारत में उत्तर पश्चिम क्षेत्र में वर्तमान समय से 6500 वर्ष पूर्व से 2800 वर्ष पूर्व के मध्य इस क्षेत्र में कोई डेमोग्राफिक डिसरप्शन हुआ ही नहीं है त् अतः कुछ विद्वानों का ऐसा कहना की आज से 3500 वर्ष पूर्व आर्य नामक लोग मध्य एशिया से भारत में आए थे वैज्ञानिक रूप से तथ्यहीन ही है इतना ही नहीं सिनौली (बागपत) से उत्खनन में मिले 4000 वर्ष पूर्व के काष्ठ व ताम्र निर्मित रथ ने आर्य आगमन या आक्रमण के मिथक के ताबूत में अंतिम कील ठोकने का कार्य किया है त् पूर्व में ऐसा कहा जाता था की 3500 वर्ष पूर्व आर्य ही भारत में रथ लेकर आए थे उपरोक्त पुरातात्विक विवरण इस मत को बल प्रदान करते हैं की भारत की प्राचीनतम सरस्वती सिंधु सभ्यता के जनक व उसमे निवासरत लोग वैदिक परम्पराओं का अनुसरण करने वाले आर्य ही थे त् भारतीय समाज के पूर्वज आर्यों को उस सभ्यता से अलग रखना व ऐसा कहना की वे तो मध्य एशिया से आए थे वैज्ञानिक और पुरातात्विक तथ्यों को दरकिनार करने जैसा है ।

स्पोर्ट्स

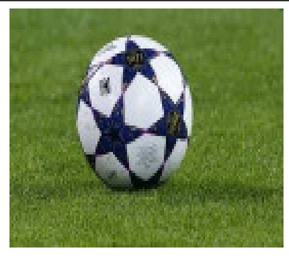

चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन पर बवाल के बीच पाकिस्तान का बड़ा एलान, इन शहरों में निकलेगी ट्रॉफी की यात्रा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ट्रॉफी की यात्रा के कार्यक्रम का एलान करते हुए बताया कि 16 नवंबर से इसकी शुरुआत होगी। यह यात्रा 16-24 नवंबर तक निकाली जाएगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल होना है। हालांकि, अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इसके कार्यक्रम का एलान नहीं किया है। इस बीच आईसीसी ने गुरुवार को बड़ा फैसला लेते हुए इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी को पाकिस्तान भेज दिया। 16 नवंबर से ट्रॉफी की यात्रा की शुरुआत होगी। 16-24 नवंबर तक होगा आयोजनपाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ट्रॉफी की यात्रा के कार्यक्रम का एलान करते हुए बताया कि 16 नवंबर से इसकी शुरुआत होगी। इस दौरान ट्रॉफी को स्कार्दू, मरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद ले जाया जाएगा। यह यात्रा 16-24 नवंबर तक निकाली जाएगी। वहीं, पीसीबी के एक अधिकारी के अनुसार

ट्रॉफी का दौरा स्कार्दू से शुरू होगा। अधिकारी ने कहा, यह दौरा उन प्रमुख पाकिस्तानी शहरों से होकर गुजरेगा जहां चैंपियंस ट्रॉफी के मैच खेले जाने हैं। भारत के इनकार के बाद स्थगित हुआ कार्यक्रम ट्रॉफी का अनावरण इस महीने की शुरुआत में लाहौर में होना था। लेकिन भारत के आईसीसी को सूचित किए जाने के बाद कि वह अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजेगा और शहर में धुंध की स्थिति के कारण यह समारोह स्थगित कर दिया गया। हाइब्रिड मॉडल पर मांगा गया जवाब बीसीसीआई ने आईसीसी को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने में असमर्थता के बारे में सूचित किया है। जवाब में विश्व संचालन संस्था ने हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर पीसीबी से जवाब मांगा है। पिछले साल एशिया कप के दौरान भारत के मैच हाइब्रिड मॉडल के अनुसार श्रीलंका में आयोजित किए गए थे जबकि अन्य मैच पाकिस्तान में खेले गए थे।

विराट कोहली की एक झलक के लिए पेड़ पर चढ़ा फैन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शुरुआती टेस्ट से पहले भारतीय खिलाड़ी पर्थ में जमकर पसीना बहा रहे हैं। इस दौरान विराट

कोहली को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करते देखा गया। वहीं, कुछ फैंस पेड़ पर चढ़कर भारतीय खिलाड़ियों का अभ्यास सत्र देखते दिखे।पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। दोनों के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होगा। रोहित शर्मा अब तक पर्थ नहीं पहुंचे हैं, उनके पहले टेस्ट में खेलने पर संशय है। वहीं, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गज इस सीरीज से पहले वाका स्टेडियम में पसीना बहा रहे हैं। अब सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक फैन किंग कोहली की एक झलक के लिए पेड़ पर चढ़ गया।शुरुआती टेस्ट से पहले भारतीय खिलाड़ी पर्थ में जमकर पसीना बहा रहे हैं। इस दौरान विराट कोहली को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करते देखा गया। वहीं, कुछ फैंस पेड़ पर चढ़कर भारतीय खिलाड़ियों का अभ्यास सत्र देखते दिखे। दरअसल, भारतीय टीम ने स्टेडियम को पूरी तरह से कवर करके प्रैक्टिस कर रही है। इसके बावजूद फैंस अपने पसंदीदा क्रिकेटर्स की एक झलक पाने के लिए पेड़ पर चढ़ गए।विराट कोहली इस साल टेस्ट में कुछ खास फॉर्म में नहीं दिखे हैं। हालांकि, फैंस को उम्मीद है कि वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खूब रन बना सकते हैं। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में कोहली सिर्फ 93 रन बना सके थे। इस साल कोहली ने तीनों प्रारूपों को मिलाकर 19 मैचों की 25 पारियों में 20.33 की औसत से महज 488 रन बनाए हैं। इनमें दो अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट में विराट के हालिया फॉर्म को देखें तो उन्होंने इस साल पांच मैचों की 10 पारियों में 192 रन बनाए हैं। इनमें बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शामिल है। ऐसे में वह खुद को साबित करने के लिए आतुर होंगे।

शाहजहांपुर में अफसरों ने लगाए चौक-छक्के, सेना की टीम ने जिला प्रशासन को हराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शाहजहांपुर के जीएफ कॉलेज मैदान में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले दिन जिला प्रशासन और सेना की टीम के बीच मैच खेला

गया। इसमें सेना की टीम ने जिला प्रशासन को हरा दिया। शाहजहांपुर में छावनी परिषद की ओर से जीएफ कॉलेज मैदान में शुक्रवार को मैत्रीपूर्ण क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हो गया। तीन दिवसीय टूर्नामेंट के पहले दिन का मैच जिला प्रशासन और आर्मी टीम के बीच खेला गया। जिला प्रशासन टीम को तीन विकेट से हराकर आर्मी टीम ने मैच जीत लिया।मैच का प्रारंभ छावनी परिषद के नामित सदस्य अवधेश दीक्षित ने टॉस उछालकर किया। आर्मी टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। एडीएम प्रशासन संजय पांडेय के नेतृत्व में बल्लेबाजी करने उतरी जिला प्रशासन की टीम ने 20 ओवर में 152 रन बनाए। इसमें मानिक ने सर्वाधिक 46, सैफ ने 30, अजीत ने 31 रन बनाए। कर्नल श्रीकांत कोठारी की कप्तानी में आर्मी टीम की ओर से गेंदबाजी करते हुए विजय ने तीन विकेट झटके। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी आर्मी टीम ने सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। खिलाड़ी कशिश ने 45, कर्नल अमित ने 20, अनिल ने 22 रन बनाए। जिला प्रशासन की ओर से गेदबाजी करते हुए मानिक ने तीन विकेट, अजीत ने दो विकेट प्राप्त किए। मैच के अंपायर पंकज तिवारी, मोहम्मद नईम व स्कोरर साहिल रहे।17 नवंबर को होगा फाइनल मैचटूर्नामेंट में कुल चार टीमें प्रतिभाग कर रही हैं।

58 साल की उम्र में क्यों लड़ने जा रहे हैं माइक टायसन 2005 में हुए थे रिटायर; यूट्यूबर से भिड़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।टायसन साल 1986 में 20 साल और चार महीने की उम्र में इतिहास में सबसे कम उम्र के हैवीवेट चैंपियन बने थे। उन्होंने केविन मैकब्राइड से हारने के बाद 2005 में

संन्यास ले लिया था। प्रोफेशनल बॉक्सिंग से संन्यास लेने के लगभग दो दशक बाद 58 वर्षीय माइक टायसन शुक्रवार को रिंग में वापस उतरने के लिए तैयार हैं। टायसन ने 1980 के दशक में अपनी प्रतिभा से दुनियाभर में नाम कमाया था और अपनी स्किल से दुनिया को चौंका दिया था। विपक्षी मुक्केबाज उनके सामने आने से डरते थे। अब वापसी पर वह अमेरिका के टेक्सास में एटी एंड टी स्टेडियम में 27 वर्षीय यूट्यूबर से बॉक्सर बने जेक पॉल का सामना करेंगे।टायसन साल 1986 में 20 साल और चार महीने की उम्र में इतिहास में सबसे कम उम्र के हैवीवेट चैंपियन बने थे। उन्होंने केविन मैकब्राइड से हारने के बाद 2005 में संन्यास ले लिया था। उस समय उन्होंने कहा था कि उनके पास खेल देने के लिए कुछ भी नहीं बचा है। बॉक्सिंग लीजेंड ने आखिरी बार रॉय जोन्स जूनियर के खिलाफ एक प्रदर्शनी मैच में लड़ाई लड़ी। हालांकि, 2020 में हुए इस मैच को कोरोना की वजह से कोई प्रशंसक नहीं मिला था। अब अपनी उम्र से आधी से भी कम उम्र के व्यक्ति का सामना करने के बाद पूर्व विश्व हैवीवेट चैंपियन टायसन एक स्वीकृत प्रोफेशनल फाइट में प्रतिस्पर्धा करने वाले सबसे उम्रदराज मुक्केबाजों में से एक बन जाएंगे। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि 58 साल की उम्र में टायसन को रिंग में आने की जरूरत क्यों पड़ी? माइक टायसन 19 साल बाद एक बार फिर बॉक्सिंग ग्लव क्यों पहन रहे हैं? इसका जवाब है- पैसा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, माइक टायसन को सिर्फ एक इस मैच के लिए 20 मिलियन डॉलर यानी करीब 169 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है। जेक पॉल को कथित तौर पर इसका दोगुना यानी 40 मिलियन डॉलर यानी 338 करोड़ रुपये मिल रहा है।

शास्त्री को उम्मीद- ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन करेंगे कोहली, फॉर्म को लेकर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शास्त्री ऑस्ट्रेलिया में कोहली के शानदार प्रदर्शन का जिक्र

कर रहे थे जिसमें उन्होंने 2011-12 में अपने पहले टेस्ट दौरे में एडिलेड में जुझारू शतक जड़ा था, 2014 के दौरे के दौरान चार टेस्ट मैच में 692 रन बनाये थे और 2018-19 सीरीज के दौरान पर्थ में 123 रन की शानदार पारी शामिल है। पूर्व भारतीय क्रिकेट कोच रवि शास्त्री का मानना है कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली में अपनी खराब फॉर्म को सुधारकर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली आगामी पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान सफलता हासिल करने की काबिलियत है। पिछले कुछ महीनों में कोहली सभी प्रारूपों में खराब दौर से गुजर रहे हैं। 36 वर्षीय स्टार बल्लेबाज ने साल की शुरुआत से बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में सिर्फ एक अर्धशतक बनाया है जबकि उनका औसत सिर्फ 21.33 रहा है। हालांकि, शास्त्री ने ऑस्ट्रेलिया को चेतावनी दी और कहा है कि कोहली उस देश में खेलेगा जहां उसे बल्लेबाजी करना और रन बनाना बहुत पसंद है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'कोहली अब वहां खेलेगा जहां वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करता है। मैं उन्हें बस इतना ही बताऊंगा। जब आप ऑस्ट्रेलिया में अपने जलवों के बाद यह रुतबा हासिल कर लेते हैं तो जब आप बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो यह हमेशा आपके प्रतिद्वंद्वी के दिमाग में रहता है।' शास्त्री ऑस्ट्रेलिया में कोहली के शानदार प्रदर्शन का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने 2011-12 में अपने पहले टेस्ट दौरे में एडिलेड में जुझारू शतक जड़ा था, 2014 के दौरे के दौरान चार टेस्ट मैच में 692 रन बनाये थे और 2018-19 सीरीज के दौरान पर्थ में 123 रन की शानदार पारी शामिल है। तब कोहली ने टीम की कप्तानी की थी। शास्त्री ने हालांकि कोहली को दौरे के शुरुआती चरण के दौरान सतर्कता बरतने की सलाह दी। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, 'जब आप जोश में हो और आप उत्साहित हैं जो विराट के साथ होता है। तो आपको शांत रहना चाहिये क्योंकि कई बार आप मैदान पर उतरकर पहला दाव मारने के लिए बहुत उत्साहित होते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि जब वह बल्लेबाजी करने उतरे तो पहला आधा घंटा या फिर सीरीज की पहली तीन पारियों में उसका शांत रहना बेहद महत्वपूर्ण होगा। अगर वह शांत रह सकता है और जल्दबाजी करने के बजाय अपनी लय से खेल सकता है तो मुझे लगता है कि अच्छी बल्लेबाजी करेगा।

टेस्ट सीरीज से पहले भारत की तैयारियों को झटका, अभ्यास के दौरान चोटिल हुए सरफराज खान

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। शुक्रवार को 'फॉक्स क्रिकेट' की तरफ से जारी किए गए एक वीडियो में भारतीय खिलाड़ियों को नेट्स पर अभ्यास करते दिखाया गया। इसमें सरफराज खान अपनी

दाहिनी कोहनी को सहलाते दिखे। बताया गया कि नेट्स पर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करते हुए वह चोट का शिकार हो गए।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शुरू होने जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 नवंबर से पहला मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। इससे पहले भारतीय टीम की तैयारियों को झटका लगा है। दरअसल, मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए। नेट पर बल्लेबाजी करते समय उनकी कोहनी में चोट आई। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम जमकर पसीना बहा रही है। वाका स्टेडियम में भारतीय खिलाड़ियों को अभ्यास करते देखा जा रहा है। इस बीच सरफराज खान के चोटिल होने की खबर ने फैंस की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को 'फॉक्स क्रिकेट' की तरफ से जारी किए गए एक वीडियो में भारतीय खिलाड़ियों को नेट्स पर अभ्यास करते दिखाया गया। इसमें सरफराज खान अपनी दाहिनी कोहनी को सहलाते दिखे। बताया गया कि नेट्स पर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करते हुए वह चोट का शिकार हो गए। कैसी है सरफराज की हालत वीडियो में सरफराज को नेट्स से लौटते समय अपनी कोहनी पकड़े देखा गया। इस दौरान वह कुछ असहज दिखे। हालांकि, चिंता की कोई बात नहीं है। वह मामूली चोट का शिकार हुए थे, जिसके कारण एमआरआई कराने की जरूरत नहीं पड़ी। हिटमैन के खेलने पर संशय रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में सरफराज खान पर्थ टेस्ट में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बता दें कि, हिटमैन अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए अभी मुंबई में ही हैं। उनके शुरुआती दो टेस्ट मैचों में अनुपलब्ध रहने की संभावना है। इस स्थिति में जसप्रीत बुमराह कप्तानी संभालेंगे और उम्मीद है कि वह सरफराज को मौका देंगे। इस युवा बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम में जगह बनाई है और न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में अपना पहला टेस्ट शतक भी बनाया था।ऑस्ट्रेलिया की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में एक मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ सरफराज के लिए यह एक अलग तरह की चुनौती होगी। इसके अलावा प्रतिभाशाली ध्रुव जुरेल भी एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। सरफराज ने फरवरी में टेस्ट डेब्यू के बाद छह मैच में 37.10 की औसत से 371 रन बनाए हैं। बंगलूरू में शतक के अलावा सरफराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ अन्य पांच पारियों में संघर्ष करना पड़ा और वह केवल 21 रन ही बना सके। 27 वर्षीय बल्लेबाज को ऑस्ट्रेलिया की तेज और उछाल भरी पिचों पर पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क जैसे गेंदबाजों के सामने कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

आखिरी टी20 में बदल जाएगी भारत की प्लेइंग 11 संजू सैमसन और रिंकू सिंह के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने 16 में से 13 मैच जीते हैं और इस बार वह सीरीज जीतकर 1-1 से ड्रॉ रही थी जबकि एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। टी20 क्रिकेट के सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रिंकू सिंह का फॉर्म भी चिंता सहायक की भूमिका में रहें। रिंकू ने अधिकांश समय पांचवें नंबर पर उतरकर अच्छा प्रदर्शन किया है। लेकिन जब संजू सैमसन सलामी

लौटना चाहेंगे। यह मुकाबला संजू सैमसन और रिंकू सिंह के लिए काफी अहम होने वाला है। दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी टी20 सीरीज अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। अंतिम मुकाबला शुक्रवार को जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा। इस मैच में जीत के साथ भारतीय टीम 3-1 से सीरीज पर कब्जा जमाने का उद्देश्य लेकर उतरेगी। यह मुकाबला संजू सैमसन और रिंकू सिंह के लिए काफी अहम होने वाला है। दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। सीरीज जीतकर लौटना चाहेंगे सूर्या दोनों टीमें वांनडरर्स स्टेडियम में भिडेंगी। भारत के लिए यह मैदान हमेशा से भाग्यशाली रहा है। 2007 में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हराकर पहला टी20 विश्व कप जीता था। एक साल पहले पिछली टी20 सीरीज में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शतक जमाकर टीम को जीत दिलाई थी। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने 16 में से 13 मैच जीते हैं और इस बार वह सीरीज जीतकर लौटना चाहेंगे। पिछली बार खेली गई सीरीज का सबब है जो पिछले कुछ महीने से अच्छा नहीं खेल पा रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि छठे या सातवें नंबर पर उतरने से वह सहज होकर खेल नहीं पा रहे हैं। भारत में अगला टी20 विश्व कप 2026 में है और सूर्यकुमार के पास रिंकू में आत्मविश्वास भरकर उनके प्रदर्शन को ढर्रे पर लाने का पूरा समय है। स्पष्टता के अभाव में उनके जैसे हुनरमंद क्रिकेटर को खोने का जोखिम भारतीय टीम नहीं उठा सकती। मौजूदा सीरीज में रिंकू दो मैचों में छठे और एक मैच में सातवें नंबर पर उतरे और 28 रन ही बना सके। निचले क्रम पर उतरने से 11, नौ या आठ रन का स्कोर चिंता का विषय नहीं है लेकिन असल चिंता इस बात की है कि इसके लिए उन्होंने कुल 34 गेंदें खेल डाली। आईपीएल के दौरान भी रिंकू को 15 मैचों में कुल 113 गेंद ही खेलने को मिली थी यानी प्रति मैच 7.5 गेंद। एक फिनिशर के तौर पर रिंकू को हर पारी में करीब दस ही गेंद मिल सकती है। इससे शायद उनके आत्मविश्वास पर असर पड़ा है क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वह आक्रामक खेलें या बल्लेबाज के तौर पर और तिलक वर्मा तीसरे नंबर पर उतर रहे हैं तो रिंकू को हार्दिक पंड्या से पहले उतारना कठिन है। टीम प्रबंधन को इस मसले का तुरंत हल निकालना होगा। भारत ने अपने 15 में से 12 खिलाड़ियों को पहले तीन मैचों में आजमाया है और अब देखना है कि तेज गेंदबाज यश दयाल या विजयकुमार विशक को पहला मौका मिलता है या नहीं। चौथे टी20 के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं...भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, आवेश खान, यश दयाल।दक्षिण अफ्रीकाः एडेन मारक्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्जी, डोनोवन फरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रुगर, केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकल्टन, एंडिले सिमलेन, ट्रिस्टन स्टब्स।

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का एलान, विलियम्सन की वापसी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। उभरते हुए ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को अपने मजबूत घरेलू प्रदर्शन के बाद कॉल-अप मिला। चयनकर्ता सैम वेल्स ने सीरीज के लिए उत्साह व्यक्त किया। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए कि वह इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, को भी टीम में शामिल किया गया है। अगर न्यूजीलैंड फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं करती है तो साउदी का टेस्ट करियर हैमिल्टन में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में समाप्त हो सकता है। न्यूजीलैंड के

टीम का एलान कर दिया है। स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की घरेलू सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ सितंबर में लगी ग्रोइन की चोट के कारण क्रिकेट से दूर रहे विलियमसन 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शुरू होने वाली सीरीज में खेलते दिखेंगे।चोट के कारण विलियम्सन न्यूजीलैंड के हालिया भारत दौरे से बाहर हो गए थे। तब टॉम लाथम की अगुआई में न्यूजीलैंड ने रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम पर 3-0 से जीत दर्ज की थी। उनकी वापसी से न्यूजीलैंड के पास आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। टॉम लाथम कप्तान बने रहेंगे, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी, जिन्होंने हाल ही में घोषणा की थी चयनकर्ताओं ने अनुभव और युवाओं के मिश्रण के साथ एक संतुलित टीम का चयन किया, लेकिन कुछ बड़े नामों को भी बाहल किया। तेज गेंदबाज बेन सियर्स और काइल जैमीसन चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं, जबकि मध्यक्रम के बल्लेबाज मार्क चैपमैन की जगह विलियम्सन को टीम में शामिल किया गया है। हाल ही में भारत के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करने वाली स्पिन जोड़ी एजाज पटेल और ईश सोढ़ी को इस सीरीज के लिए गेंदबाजी लाइनअप में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, उनके साथी स्पिनर मिचेल सैंटनर के दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की उम्मीद है। वह मांसपेशियों में खिंचाव से जूझ रहे हैं। उभरते हुए ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को अपने मजबूत घरेलू प्रदर्शन के बाद कॉल-अप मिला। चयनकर्ता सैम वेल्स ने सीरीज के लिए उत्साह व्यक्त किया।

हमने तीन टी20 में भारत के बेखौफ तेवर देखे', निर्णायक मुकाबले से पहले बोले कोच वीवीएस लक्ष्मण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। दोनों टीमें वांडरर्स स्टेडियम में भिडेंगी। भारत के लिए यह मैदान हमेशा से भाग्यशाली रहा है। 2007 में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हराकर पहला टी20 विश्व कप जीता था। भारत के कार्यवाहक मुख्य कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि उनकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका के 'विदेश में किसी भी दौरे पर हम खेल के जरिये दर्शकों का मनोरंजन करने की कोशिश करते हैं। हमें हमेशा लगता है कि हम अपने देश में खेल रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'इसका कारण दुनिया भर में बसे भारतवंशी और भारतीय क्रिकेट टीम के प्रशंसक हैं। वे भारतीय टीम और भारतीय क्रिकेटरों से बहुत प्यार करते हैं। कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक शताब्दी पुराने क्रिकेट संबंध दोनों देशों के बीच व्यापक संबंधों के लिये मॉडल बन सकते हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के अध्यक्ष पर्ल माफोशे ने भारतीय टीम से 2025 में दक्षिण अफ्रीका लौटने की अपील की।दोनों टीमें वांडरर्स स्टेडियम में भिडेंगी। भारत के लिए यह मैदान हमेशा से भाग्यशाली

खिलाफ टी20 सीरीज में बेखौफ क्रिकेट खेली और उनका मानना है कि इसके पीछे दुनिया भर में टीम को मिलने वाला समर्थन है। भारत चार मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। आखिरी मैच वांडरर्स पर शुक्रवार को खेला जाएगा। लक्ष्मण ने गुरुवार की रात भारतीय टीम के स्वागत में आयोजित समारोह में कहा, 'पिछले तीन मैच में हमने देखा कि टीम ने निर्भय होकर खेला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वे घरेलू टीम या हमारी टीम का समर्थन कर रहे थे लेकिन दर्शकों में हरे से ज्यादा नीला रंग दिख रहा था।' कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि व्यस्त दौरे पर भारतीय समुदाय से मिलकर अच्छा लगा। उन्होंने कहा, 'अपने देश से बाहर खेलने पर भारतीय समुदाय से मिलकर हमेशा अच्छा लगता है। ऐसा लगता है मानो हम अपने घर पर ही हैं।' भारतीय महा वाणिज्यदूत महेश कुमार ने कहा रहा है। 2007 में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हराकर पहला टी20 विश्व कप जीता था। एक साल पहले पिछली टी20 सीरीज में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शतक जमाकर टीम को जीत दिलाई थी। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने 16 में से 13 मैच जीते हैं और इस बार वह सीरीज जीतकर लौटना चाहेंगे। पिछली बार खेली गई सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी जबकि एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी के हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी खराबी, देवघर एयरपोर्ट पर रुके रहे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। झारखंड और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दोनों लगातार राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इस कड़ी में पीएम मोदी आज झारखंड पहुंचे थे। जहां वापसी के दौरान उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें कुछ देर तक देवघर एयरपोर्ट पर ही रुकना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें देवघर हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए रुकना पड़ा। इस वजह से पीएम मोदी के दिल्ली वापसी में कुछ देरी भी हुई है। बता दें कि चुनावी राज्य झारखंड के दौरे पर रहे पीएम मोदी ने जनजातीय गौरव दिवस पर जनसभा को संबोधित किया। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी के वापसी के दौरान उनके हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई थी। जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी को बिहार के जमुई में एक रैली को संबोधित करने के बाद भारतीय वायु सेना के विमान से नई दिल्ली लौटना था, जो देवघर से लगभग 80 किलोमीटर दूर है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र में 'नो फ्लाइंग जोन' घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस वजह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी गोड्डा में फंस गए, जहां उन्होंने एक चुनावी रैली को संबोधित किया, क्योंकि इसके बाद उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका। हालांकि, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने राहुल गांधी को गलत तरीके से निशाना बनाया।इससे पहले पीएम मोदी ने बिहार के जमुई जिले में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर आदिवासी क्रांति के नायक बिरसा मुंडा को नमन किया था। बता दें कि ये कार्यक्रम उनकी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।

तीनों सेनाओं डीआरडीओ और रक्षा उद्योग के अधिकारियों की बैठक, संयुक्त अभियानों और नई तकनीकों पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि तीनों सेनाओं, डीआरडीओ और रक्षा उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है, जिसमें

संयुक्त अभियानों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, सिग्नेचर प्रबंधन, स्पेक्ट्रम प्रबंधन, मानव संसाधान प्रबंधन और उभरती हुई तकनीकों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।तीनों सेनाओं, डीआरडीओ और रक्षा उद्योग से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों की एक अहम बैठक हुई। इस बैठक में संयुक्त अभियानों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, सिग्नेचर प्रबंधन, स्पेक्ट्रम प्रबंधन, मानव संसाधान प्रबंधन और उभरती हुई तकनीकों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त इलेक्ट्रमैग्नेटिक बोर्ड (जेईबीएम) की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता एकीकृत रक्षा स्टाफ (अभियान) के उप प्रमुख एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने की। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बैठक में एआई-समर्थित ई-तरंग प्रणाली का भी शुभारंभ किया गया, जो रक्षा क्षेत्र की प्रभावी योजनाओं और प्रबंधन में मदद करेगी। यह प्रणाली उच्च आवृत्ति बैंड में नई तकनीकों के विकास को समर्थन देगा और युद्धकाल व शांति काल में रक्षा उपकरणों के संचालन को बिना किसी परेशानी के सुनिश्चित करने में मदद करेगा। इस सॉफ्टवेयर को भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना संस्थान (बीआईएसएजी-एन) के सहयोग से विकसित किया गया है। इसके अलावा, इस बैठक में टेक्निकल न्यूज लेटर-2024 (टीएनएल) भी जारी किया गया, जो भविष्य की उन तकनीकों पर जोर देता है, जो आधुनिक युद्ध की धारा को बदलने की क्षमता रखती हैं। इस दस्तावेज के तैयार करने में तीनों सेनाओं ने अपना पेशेवर योगदान दिया है। बैठक मुख्य उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अभियान में तालेमल बनाना और स्पेक्ट्रम युद्ध में क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक रोडमैप तैयार करना था। इस दौरान भविष्य के लिए तकनीकी विकास और प्रशिक्षण की प्राथमिकताएं भी तय की गईं। एयर मार्शल मिश्रा ने बैठक को संबोधित किया और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों को प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने के लिए तीनों सेनाओं की एकजुटता पर जोर दिया। उन्होंने सितंबर में हुए संयुक्त इलेक्ट्रॉनिक युद्ध अभ्यास की सफलता की भी सराहना की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20-22 नवंबर तक करेंगे लाओस दौरा, आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में लेंगे भाग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। आसियान सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक मंच है। भारत 1992 में आसियान का संवाद साझेदार

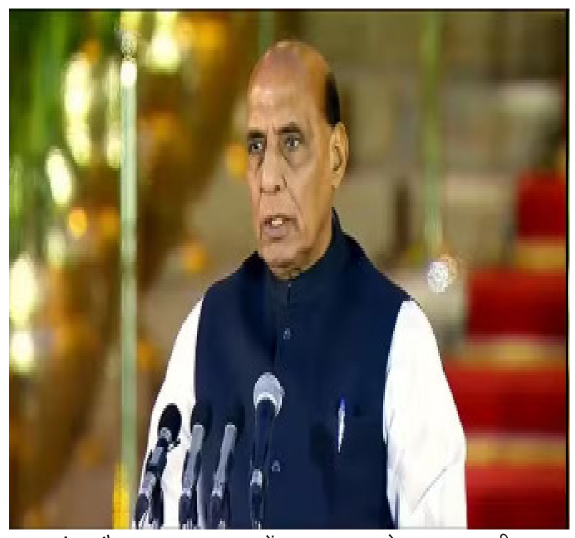

एक मंच है। भारत 1992 में आसियान का संवाद साझेदार बना था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 20 से 22 नवंबर तक लाओस का दौरा करेंगे। वे यहां पर 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। एडीएमएम-प्लस आसियान के सदस्य देशों में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलयेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम हैं। इसके आठ संवाद साझेदार भारत, अमेरिका, चीन, रूस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड हैं।आसियान सुरक्षा बना। इसके अलावा एडीएमएम-प्लस का पहला आयोजन 12 अक्तूबर 2010 को वियतनाम के हनोई में हुआ था। 2017 से आसियान और प्लस देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एडीएमएम-प्लस मंत्रियों की हर साल बैठक होने लगी।इससे मंगलवार को राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत पारंपरिक सीमा संबंधी खतरों से लेकर आतंकवाद, साइबर हमले और हाइब्रिड युद्ध जैसे अपरंपरागत मुद्दों तक विविध प्रकार की सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है।

युद्ध खत्म करवाकर रहेंगे रूस-यूक्रेन संघर्ष से लेकर पश्चिम एशिया के हालात तक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। ट्रम्प के उप सहायक और 2017 से 2021 तक दक्षिण और मध्य एशिया के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ निदेशक के रूप में कार्य करने वाली लिसा कर्टिस ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध को इस तरह से मार-ए-लागो एस्टेट में अमेरिका फर्स्ट पॉलिसी इंस्टीट्यूट के लिए आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ठहम मिडल ईस्ट और रूस-यूक्रेन पर मजबूती से काम कर रहे हैं। इसे रोकना होगा।ठ राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद यह

समाप्त करने की आवश्यकता है जिससे अन्य देशों को अपने पड़ोसियों पर अवैध रूप से हमला करने का प्रोत्साहन न मिले। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप में रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि उनका प्रशासन रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने को लेकर ध्यान केंद्रित करेगा । इसके साथ ही उन्होंने इस युद्ध में अबतक जान गंवाने वालों को लेकर दुख भी जताया। ट्रंप ने बताया कि उनका प्रशासन पश्चिमी एशिया में शांति स्थापित करने के लिए भी काम करेगा। ट्रंप ने गुरुवार को अपने उनका पहला भाषण था। उन्होंने कहा, ठरूस-यूक्रेन को रोकना होगा। मैंने आज एक रिपोर्ट देखी, पिछले तीन दिनों में हजारों की संख्या में लोगों की मौत हुई है। चाहे वे सैनिक हो या आम जनता, हम उनके लिए काम करेंगे।ठनवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने हमेशा कहा है कि उनकी प्रथमिकता युद्ध को समाप्त करना है। ट्रंप के उप सहायक और 2017 से 2021 तक दक्षिण और मध्य एशिया के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ निदेशक के रूप में कार्य करने वाली लिसा कर्टिस ने कहा कि यूक्रेन में युद्ध को इस तरह से समाप्त करने की आवश्यकता है।

धोखाधड़ी मामले में रेमो डिसूजा की याचिका पर यूपी सरकार-कारोबारी को नोटिस, कोर्ट ने मांगा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड निर्देशक रेमो डिसूजा की याचिका पर उत्तर प्रदेश

सरकार और गाजियाबाद के एक कारोबारी को नोटिस जारी किया है और उनसे जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉलीवुड निर्देशक रेमो डिसूजा से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और गाजियाबाद के कारोबारी सत्येंद्र त्यागी को नोटिस जारी किया। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने राज्य सरकार और कारोबारी से जवाब मांगा है। पीठ ने आदेश दिया कि नोटिस 'दस्ती' तरीके से दिए जाएं। यह मामला साल 2016 का है, जब त्यागी ने डिसूजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि डिसूजा ने इस वादे के साथ त्यागी को अपनी आगामी फिल्म 'अमर मस्ट डाई' में पांच करोड़ रुपये निवेश करने के लिए राजी किया कि फिल्म रिलीज होने के बाद निवेश की गई राशि दोगुनी हो जाएगी। लेकिन इस वादे को पूरा नहीं किया गया। प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 386 (जबरन वसूली) के तहत दर्ज की गई थी। इसमें यह भी आरोप लगाया गया था कि त्यागी ने अपने पैसे मांगे तो डिसूजा ने उन्हें अंडरवर्ल्ड डॉन प्रसाद पुजारी से डराने-धमकाने की धमकी दी।इसके बाद गाजियाबाद के अतिरिक्त मुख्य मजिस्ट्रेट ने अक्तूबर 2020 में इस मामले का संज्ञान लिया। फिर डिसूजा ने उनके आदेश को चुनौती देने और कार्यवाही पर रोक लगाने के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया। हालांकि, 23 अगस्त 2023 को उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

दो बार नहीं चली पिस्तौल, बच गई टीएमसी नेता की जान हत्या की कोशिश नाकाम होने पर भागा बदमाश धराया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगाल। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में एक टीएमसी नेता के हत्या की कोशिश उस वक्त नाकाम हो गई, जब वारदात को अंजाम देने पहुंचे बदमाश की बंदूक खराब हो गई। जानकारी के मुताबिक बदमाश ने दो बार फायर करने की कोशिश की लेकिन बंदूक से गोली नहीं चली। वहीं इसके बाद भाग रहे बदमाश को स्थानीय लोगों ने दौड़ाकर दबोच लिया और उसकी जमकर पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया।कोलकाता के कस्बा इलाके में शुक्रवार की रात एक तृणमूल पार्षद की हत्या की कोशिश की गई, हालांकि मौके पर बदमाश की बंदूक खराब होने से उनकी जान बच गई। तृणमूल नेता के घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में हत्या की कोशिश की तस्वीर कैद हुई है। जानकारी के अनुसार, कोलकाता नगर निगम के वार्ड 108 की पार्षद सुशांता घोष अपने घर के सामने बैठी थी, तभी दो

बदमाश स्कूटर पर आए। उनमें से एक ने अपनी बंदूक निकाली और उन्हें दो बार गोली मारने की कोशिश की। लेकिन बंदूक से कोई गोली नहीं चली। इसके बाद मौके पर बैठे कुछ लोग बदमाश पर टूट पड़े और उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। हालांकि इस दौरान उसने अपने सहयोगी के साथ स्कूटर पर भागने की कोशिश की, लेकिन फिसल गया। जिससे बदमाश को लोगों थोड़ी दूर दौड़ाकर पकड़ लिया गया और उसकी जमकर पिटाई की गई।वहीं पिटाई के दौरान बदमाश ने बताया कि उसे इस वारदात के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया। उसे बस एक फोटो दी गई और उसे मारने के लिए कहा गया। आखिर में पिटाई के बाद में बदमाश को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पार्षद की हत्या के लिए बिहार से शूटरों को भाड़े पर बुलाया गया था पुलिस सूत्रों ने संदेह जताया कि हमले के पीछे स्थानीय रंजिश हो सकती है। हालांकि पार्षद ने कहा कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि उनकी हत्या की योजना किसने बनाई होगी। उन्होंने कहा, मैं 12 साल से पार्षद हूं और मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझ पर हमला हो सकता है; वह भी तब जब मैं अपने इलाके में बैठा हूं। वहीं इस वारदात के बाद स्थानीय सांसद माला रॉय और विधायक जावेद खान ने टीएमसी पार्षद से भी मुलाकात की है।

अपने पैसे से कराया 200 मंदिरों का निर्माण, 'राष्ट्र बोध' के लिए इस महिला का योगदान अतुलनीय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि विदेशी आक्रांताओं के लंबे असर के कारण लोगों के अंदर स्व का भाव कमजोर हो गया। आक्रांताओं के कारण समाज की कोई महिला सुरक्षित नहीं रही। इससे लोगों का स्वाभिमान कमजोर हो गया। माता अहिल्याबाई होल्कर ने इस बात को समझा और यह भी समझा कि राष्ट्र को मजबूत करने के लिए लोगों में स्वाभिमान की भावना भरना आवश्यक है। अनेक कारणों से लंबे समय में समाज में यह मान्यता स्थापित हो गई है कि भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका कमजोर थी। वे अशिक्षित थीं और घर-परिवार

हो या शासन-प्रशासन, उनका स्थान महत्त्वपूर्ण नहीं था और उन्हें कोई अधिकार हासिल नहीं था। लेकिन भारत के इतिहास में ऐसी अनेक महिलाएं हुई हैं जो इस प्रचलित अवधारणा का खंडन करती हैं। जिन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर समाज में न केवल सम्मान हासिल किया, बल्कि देश और समाज के उत्थान में इतनी महान भूमिका अदा की, जिसकी कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता डॉ. कृष्ण गोपाल ने ये बातें अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्मशती पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहीं।

सर्व शक्ति साधना मंडल ने किया दीपदान का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। सर्वशक्ति साधना मंडल नोएडा की शाखा ने पॉकेट 7 सेक्टर 82 के

शिव मंदिर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देव दीपावली के शुभ अवसर पर दीप दान का आयोजन किया। सर्व शक्ति साधना मंडल नोएडा की टीम के सदस्य रवि राघव ने बताया कि दीपदान सभी के सहयोग से विगत कई वर्षों से शिव मंदिर पर आयोजन कर रहें हैं । त्रिपुरासुर के वध का दिन कार्तिक पूर्णिमा का दिन था। त्रिपुरासुर के वध के बाद देवी- देवता बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने भगवान शिव की नगरी काशी में दीप दान कर खुशियां मनाई। तभी से कार्तिक पूर्णिमा को देव दिवाली कहा जाने लगाकार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान और दान का भी खास महत्व है। लोग इस दिन गंगा स्नान करते हैं और जरूरतमंदों को दान देते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दान करने से विशेष पुण्य मिलता है और सभी पाप खत्म हो जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन की गई पूजा और दान का महत्व सामान्य दिनों से कहीं ज्यादा होता है।इस अवसर पर देव मणि शुक्ल, संजय पांडे, गोरे लाल, अंगद सिंह, अनूप सिंह, हंस मणि शुक्ल, अविनीश तिवारी, हरि शंकर सिंह,धर्मेंद्र मिश्रा, विकाश शर्मा,श्री राम त्रिपाठी, संजय शुक्ला, सर्वेश तिवारी, दिनेश पाठक, प्रकाश जोशी, रमेश कुमार वर्मा, रमेश चंद्र दास, सत्येन्द्र कुमार सिंह सीमा सिंह, रीता मिश्रा, रश्मि राघव, सीमा शर्मा, जूली, भावना पांडे, आरुशि पांडे, दीपक तिवारी महेश पाठक, आदि सर्व शक्ति साधना मंडल सदश्य उपस्थिति रहे।

क्या उत्तर प्रदेश में चुनाव स्थगन के पीछे है एक बड़ी साजिश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा उत्तर प्रदेश में 13 नवंबर को निर्धारित विधानसभा चुनावों को अब 20 नवंबर तक स्थगित कर दिया गया है। चुनाव आयोग के इस फैसले का मुख्य कारण कार्तिक पूर्णिमा का पर्व बताया गया है, जो 15 नवंबर को मनाया जाएगा। इस निर्णय पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि चुनाव से ठीक पहले यह स्थगन राजनीतिक साज़िशों के इशारे की तरह प्रतीत हो रहा है।पूर्व मीडिया प्रभारी और कानूनी छात्र सुरज भारद्वाज ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कहा कि मैं सपा से पहले भी तमाम पार्टी में काम कर चूका हूं मगर भारतीय जनता पार्टी जैसी कूट नीति मैने कहीं नहीं देखी इसमें सोचने की बात ये भी है की पंचांग के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा की शुरुआत 15 नवंबर को सुबह 06:19 बजे होगी, जबकि चुनाव 13 नवंबर को होने वाले थे। सुरज भारद्वाज ने इस स्थगन को भाजपा द्वारा एक रणनीति के रूप में देखा है, जिसमें उत्तरप्रदेश में 37 सीटें खो[illegible] वल आरएलडी और बीजेपी के दवाब मे लिए गए चुनाव आयोग का फैसला है ? या फिर यह वास्तव में एक बड़ी घटना की ओर इशारा कर रहा है उन्होंने सवाल किया। लाखो लोग मेले

में आने वाले हैं तारीख के हिसाब से चुनाव पहले है और गंगास्नान बाद में है तो चुनाव आयोग ने ये फैसला क्यों लिया सुरज भारद्वाज ने यह भी उल्लेख किया कि भाजपा के शासन में हुई पुलवामा और उड़ी जैसे हमले का राजनीतिक लाभ सिर्फ भारतीय जनता पार्टी को हुआ हैं। सूरज भारद्वाज को आशंका है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश में कोई बड़ी घटना सामने न आए इस स्थगन के संदर्भ में, सुरज भारद्वाज का मानना है कि प्रशासन को मेले में सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में गंभीर कदम उठाने चाहिए। यह स्थिति सभी विपक्ष के राजनीतिक दलों के लिए एक गंभीर प्रश्न है। क्या यह स्थगन एक बड़ी साजिश का हिस्सा है? या फिर यह वास्तव में मतदान में भागीदारी बढ़ाने का एक प्रयास है? उत्तर प्रदेश की राजनीति, जो पूरे देश की दिशा को प्रभावित करती है, इस्मे यह सवाल काफी महत्वपूर्ण है इसमे भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को दिए पत्र में ये लिखा है की 3-4 दिन पहले लोग गंगा स्नान के लिए चले जाते हैं बहुसंख्यक समुदाय के लोगों के मतदान से वंचित रह जाने की टेंशन बन गई थी. इसके चलते हिंदू वोटों के कम वोटिंग होने का भी खतरा था, चिंता का विषय कुछ यूं आया की यह अगर वास्तव में मतदान में भागीदारी बढ़ाने का प्रयास है।

शिव मंदिर पर श्री राम दरबार का 7वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव मंदिर पर स्थापित श्री राम दरबार का 7वां स्थापना दिवस

समारोह बड़े हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। श्री राम दरबार की स्थापना कराने वाले श्री राम भक्त संजय शुक्ला एवं श्रीमती ममता शुक्ला ने पूरे विधि-विधान से पूजन अर्चन किया। इन्होंने बताया कि हम लोग प्रत्येक वर्ष भगवान श्री राम दरबार की स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर श्री राम दरबार का 7वां स्थापना दिवस मनाया गया। मंदिर परिसर को फूलों एवं गुब्बारों से सजाया गया था। दोपहर में भगवान श्री सत्यनारायण जी की कथा हवन हुआ। तत्पश्चात संगीत मय श्री सुन्दर काण्ड का पाठ एवं शाम को भजन कीर्तन तथा महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर राघवेन्द्र दूबे, सर्वेश तिवारी, प्रकाश जोशी, हंस मणि शुक्ल, पंकज झा, अनूप सिंह, रवि राघव, सुशील कुमार पाल, राजेश कुमार राघव, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, अवनीश तिवारी, अंगद सिंह तोमर, हरि शंकर सिंह, गोरे लाल, दिलीप कुमार राय, देवेन्द्र कुमार गुप्ता, गुरमेल सिंह, रमेश कुमार वर्मा, गिरिराज, धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, रतन भारद्वाज, संजय पांडेय, घनश्याम जोशी, श्री राम त्रिपाठी, राजेश कुमार शुक्ल, के सी झा, गिरीश मिश्र, लोकेश त्रिपाठी, राहुल दूबे, एस के तिवारी, दिनेश पाठक आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

थाना फेस 3 पुलिस द्वारा चोरी के प्रकरण में वांछित 20 हजार रुपये का ईनामी अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा थाना फेस-3 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुये चोरी करने वाले 20 हजार रुपये के ईनामी वांछित अभियुक्त सनोज पासवान पुत्र अजीत पासवान निवासी नारायणगढ थाना रेवती जनपद बलिया उम्र 30 वर्ष को सेक्टर 66 से गिरफ्तार किया गया है।

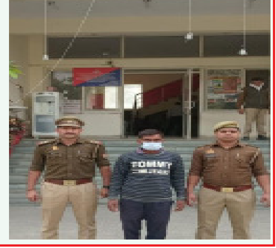

सेक्टर 82 स्थित ब्रम्हचारी कुटी में धूम धाम से मनाई गई देव दीपावली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 स्थित निरंजनी अखाड़ा ब्रम्हचारी कुटी में

विगत वर्ष की भांति देव दीपावली बड़ी धूम धाम से मनाई गई। महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में संतों के साथ भक्तों ने मंदिर परिसर में घी के दिये जलाकर परिसर को दीपों की रोशनी से जगमग किया। लक्ष्मी नारायण भगवान एवं भगवान शिव की आराधना के बाद आरती हुई और प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक राघवेंद्र दुबे ने बताया कि देव दीपावली का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा के दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर उसके अत्याचारों से देवताओं को मुक्त किया था इसी खुशी में देवताओं ने दीप जलाये थे। ऐसी मान्यता भी है कि भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा से जागते हैं तब देवताओं ने खुशी में दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें प्रसन्न किया इसलिए इसे देव दीपावली के नाम से जाना जाता है। इस दिन विशेषकर गंगा घाटों पर दीपदान की परंपरा है। कार्तिक पूर्णिमा को तुलसी पूजा,व्रत , दान का विशेष महत्व है।इस अवसर पर विकास भारती,मच्छेंद्र नाथ भारती,अशोक कुमार, पंडित मनोहर शास्त्री, सुशील पाल, आकाश, सुभाष शर्मा, रवि राघव , अंगद सिंह तोमर सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

योगी की सभा में बुलडोजर पर बैठकर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के लगे नारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन सभा हुई। सभा में बुलडोजर आकर्षण का केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बुलडोजर पर सवार

में पहुंचे थे। नगर निगम वार्ड नंबर 25 के पार्षद सियाराम मौर्या ने बताया कि उनके वार्ड में यह जनसभा हो रही है और पहली बार सीएम योगी उनके वार्ड में आ रहे हैं। इसलिए मुख्यमंत्री के स्वागत में एक हजार से अधिक कार्यकर्ता बुलडोजर और डीजे लेकर सभा स्थल पर पहुंचे हैं। फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के सहसों में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की होकर सभा स्थल पर पहुंचे। बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के नारे लगाते हुए कार्यकर्ता जब बुलडोजर से पहुंचे तो उन्हें देखने वालों की भीड़ लग गई।योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में पहुंचे थे। नगर निगम वार्ड नंबर 25 के पार्षद सियाराम मौर्या ने बताया कि उनके वार्ड में यह जनसभा हो रही है और पहली बार सीएम योगी उनके वार्ड में आ रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. दीपक अरोरा द्वारा श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि. 1-मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादकः-डा. दीपक अरोरा
मो0न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।